Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक **वेलकम इंडिया**

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 191 | सोमवार, 20 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, बागी सांसदों के शामिल होने पर भड़की टीएमसी ; विपक्ष का वॉकआउट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले संसद भवन एनेक्सी में सर्वदलीय बैठक जारी है। मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। विपक्षी सांसदों ने बैठक से वॉकआउट किया है।

विपक्ष ने क्यों किया बैठक से वॉकआउट?

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, आज कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, झारखंड मुक्ति मोर्चा, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वाम दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरा विपक्ष सर्वदलीय बैठक से विरोध जताते हुए बाहर निकल गया। इसकी वजह यह है कि कथित एनसीपीआई, जो एक गैर-मान्यता प्राप्त दल है, उसे बैठक में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, टेबल ऑफिस (संसदीय दस्तावेज और व्यवस्था संभालने वाला विभाग) की ओर से दी गई सूची में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की ताकत 28 सांसद दिखाई गई है। इन कथित 20 बागी सांसदों के विलय को अभी तक लोकसभा अध्यक्ष ने मंजूरी नहीं दी है। इन 20 सांसदों की अयोग्यता से जुड़ी याचिकाएं अब भी लंबित हैं।

महुआ मोइत्रा ने कहा, 91वें संविधान संशोधन के बाद किसी अलग गुट के बनने की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे में संसदीय कार्य मंत्री ने किस आधार पर इन 20 बागी सांसदों को निमंत्रण दिया और वे इस बैठक में कैसे शामिल हो रहे हैं? उन्होंने आगे कहा, हमने इस मामले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और विरोध के प्रतीक के रूप में बैठक से बाहर निकल गए। हम सभी विपक्षी दलों का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने हमारा साथ दिया।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, कांग्रेस ने संविधान की रक्षा के लिए बैठक से वॉकआउट किया है। अंतिम फैसला आने से पहले ही कोई अनुमान लगाना पूरी तरह असांविधानिक है।

अरविंद सावंत ने क्या कहा?

शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा, उन्हें (बागी सांसदों को) दी गई मान्यता, कानून की किताबों में यह शब्द कहां है? हमने भी इसका विरोध किया है और सदन से वॉकआउट किया है।

आम आदमी पार्टी के सांसद एनडी गुप्ता ने कहा, हमारे मामले में राज्यसभा के 10 सांसदों में से 7 को अलग कर लिया गया है और यह तय करने के लिए हमारी याचिका लंबित है कि यह सही है या नहीं। इसके बावजूद उन्हें राज्यसभा में अलग से स्वतंत्र सीटें दे दी गई हैं। यह सिर्फ एक तरह से सांसदों को अपने साथ मिलाना और लोकतंत्र की हत्या है।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 13 अगस्त तक चलेगा। मानसून सत्र की तारीखों का एलान करते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, भारत सरकार की सिफारिश पर माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद के दोनों सदनों को मानसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त 2026 तक चलेगा। इस दौरान राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा की जाएगी और फैसले लिए जाएंगे। चार सप्ताह तक चलने वाले इस सत्र में संसद की 19 बैठकें होंगी।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त; केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। 28 जून से जंतर–मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर दाखिल एक जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। मामले पर गुरुवार अहम सुनवाई होगी, जिसमें अदालत सरकारों से उठाए गए कदमों का जवाब मांगेगी। एक्टिविस्ट और वकील राकेश कुमार सैनी की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि वांगचुक का करीब 8.5 किलो वजन कम हो चुका है और उनकी हालत लगातार खराब हो रही है। याचिका में मेडिकल विशेषज्ञों की राय का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि यदि भूख हड़ताल जारी रही तो उनकी जान को गंभीर खतरा हो सकता है। याचिका में कोर्ट से मांग केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वांगचुक को तत्काल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जाए। जरूरत पड़ने पर उन्हें लिक्विड डाइट, विटामिन, मिनरल और अन्य जरूरी पोषण देकर उनकी जान बचाने के लिए मेडकल मदद दी जाए। याचिकाकर्ता का कहना है कि यदि जवाबदेही की मांग कर रहे एक सामाजिक कार्यकर्ता की भूख हड़ताल के दौरान मौत हो जाती है, तो यह देश के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक स्थिति होगी। इसलिए हाई कोर्ट को जीवन के अधिकार की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। वांगचुक का आंदोलन कथित तौर पर पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं के विरोध में है।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़ का रौद्र रूप, सीएम अब्दुल्ला की पैनी नजर, राजौरी में जारी रेस्क्यू ऑपरेशन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले में रविवार तड़के भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ और जमीन खिसकने की घटनाओं में कम से कम चार लोगों (जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं) की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में बचाव दल तैनात किए गए हैं और अधिकारी खोज व राहत कार्य चला रहे हैं। बारिश से जुड़ी ये मौतें ऐसे समय में हुई हैं जब लगातार बारिश की वजह से पड़ोसी राजौरी ज़िले में भी बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं; निचले इलाकों में पानी भर गया है, संपत्ति को नुकसान पहुंचा है और सैकड़ों लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

वहीं, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रशासन का फौरी ध्यान प्रभावित इलाकों में लोगों की जान बचाने पर है। रविवार को पर एक पोस्ट में, उट अब्दुल्ला ने कहा कि वह सुबह से ही हालात पर नजर रखे हुए हैं, खासकर राजौरी शहर और आस-पास के इलाकों में, जहाँ भारी बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि आज सुबह से ही मैं जम्मू के कुछ हिस्सों, खासकर राजौरी शहर और उसके आस-पास के इलाकों में बहुत ज्यादा बारिश से बने हालात पर बारीकी से नजर रख रहा हूँ। मैं इलाके के स्थानीय विधायकों के संपर्क में हूँ। हालात अभी भी बदल रहे हैं, लेकिन प्रशासन की प्राथमिकता कीमती जानें बचाना है। सरकार उन प्रभावित लोगों की मदद और सहायता के लिए हर संभव कोशिश करेगी, जिनकी संपत्ति को बारिश और अचानक आई बाढ़ से नुकसान पहुँचा है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में बादल फटने जैसी भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिससे एक महिला लापता हो गई और घरों, गाड़ियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचा। शनिवार रात शुरू हुई भारी बारिश से रिहायशी इलाकों और निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रभावित इलाकों में खोज और राहत कार्य जारी हैं और बचाव दलों को तैनात किया गया है।

इस बीच, भारी बारिश की वजह से राजौरी ज़िले में जबरदस्त बाढ़ आ गई है, जिससे नदियों और नालों का पानी कई निचले इलाकों में भर गया है। बेला का नया बस स्टैंड इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक है, जहाँ पार्किंग एरिया में बाढ़ का पानी घुसने से कई गाड़ियाँ क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि रात भर हुई बारिश के बाद नदियों का जलस्तर बढ़ने से दर्जनों गाड़ियाँ या तो बह गईं या पानी में डूब गईं।

सीएम विजय का भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' एक्शन, तमिलनाडु में 7 जीसीसी अधिकारी सस्पेंड, एफआईआर दर्ज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान को तब और तेजी मिली, जब ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (GCC) के सात अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया और कथित भ्रष्टाचार व बिना हिसाब-किताब वाले वित्तीय लेन-देन के लिए उनके खिलाफ FIR दर्ज की गई। यह कार्रवाई पिछले हफ़्ते चेन्नई के दो जोन में की गई अचानक जांच के बाद हुई, जिसमें अधिकारियों को कथित तौर पर बिना हिसाब-किताब वाला कैश और संदिग्ध डिजिटल लेन-देन मिले। GCC अधिकारियों के अनुसार, यह जांच जोन 6 और 9 में की गई, जिसमें उत्तरी और मध्य चेन्नई के कई अहम इलाके शामिल थे। GCC के एक सीनियर अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि अचानक की गई जांच के दौरान, एक असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर 2.39 लाख के GPay ट्रांजैक्शन के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाए। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन को तमिलनाडु के विजिलेंस और एंटी-करप्शन डायरेक्टरेट (DVAC) से रिपोर्ट मिलने के बाद सस्पेंशन और आपराधिक कार्रवाई शुरू की गई।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों पर भ्रष्टाचार-रोधी कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया है और साथ ही विभागीय कार्रवाई भी शुरू की जा रही है। जोन 6 में कोलाथुर, अयनवरम और पेराम्बुर जैसे इलाके आते हैं, जबकि जोन 9 में सेंट्रल चेन्नई के कुछ हिस्से शामिल हैं, जिनमें थाउजेंड लाइट्स, माइलापोर और नुंगमबक्कम आते हैं। यह ताजा कार्रवाई, रिश्वतखोरी, फजी बिलिंग और नौकरी के बदले पैसे लेने के रैकेट से जुड़े अलग-अलग आरोपों में GCC के छह अन्य अधिकारियों के सस्पेंड होने के कुछ ही दिनों बाद की गई है। अगर विभागीय जांच में आरोप साबित हो जाते हैं, तो अधिकारी अब नौकरी से बर्खास्तगी समेत और सख़्त कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं।

राम मंदिर चंदा मामले में राहुल-खरगे का पीएम मोदी को पत्र, स्वतंत्र जांच की उठाई मांग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। कांग्रेस नेता ने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

कांग्रेस नेता ने पत्र में लिखा कि जिन लाखों भक्तों ने आस्था के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से धोखा महसूस कर रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में निष्पक्ष जांच की मांग

लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और उनसे जवाबदेही तय करने और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, 'प्रधानमंत्री जी, करोड़ों भक्तों ने श्री राम मंदिर में आस्था के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की है - वहां दान की चोरी अब किसी से छिपी नहीं है। ट्रस्ट के हर सदस्य को आपकी सरकार ने चुना था। दान की इस चोरी पर आपकी चुप्पी स्वीकार्य नहीं है।'

कांग्रेस नेता ने आगे लिखा, 'तुरंत निष्पक्ष जांच कराएं, पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक करें और दोषियों को कानून के कटघरे में लाएं। आपकी सरकार की विश्वसनीयता अब आपके कामों पर निर्भर करती है।'

मल्लिकार्जुन खरगे ने भी आज रविवार को एक्स पर लिखा, 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग करते हुए ढट मोदी को हमारा संयुक्त पत्र।'

खरगे ने 18 जुलाई को पीएम मोदी को भेजा पत्र सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, 'जिन लाखों भक्तों ने आस्था, भक्ति और भरोसे के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से धोखा महसूस कर रहे हैं।'

अब तक मामले में क्या-क्या हुआ?

राम मंदिर में दिए गए दान की चोरी का मामला जून के पहले सप्ताह में सामने आया था और अब तक इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस मामले में पुलिस ने 25 जून को ट्रस्ट की शिकायत पर FIR दर्ज की थी। अब तक राम मंदिर ट्रस्ट के दो वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी इस्तीफा दे दिया है।

किरण रिजिजू का दावा, विपक्ष का वॉकआउट सिर्फ 'सांकेतिक' था, सरकार चाहती है संसद में सार्थक चर्चा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक के दौरान विपक्ष का वॉकआउट सांकेतिक था और इसे बहिष्कार नहीं माना जाना चाहिए। यह बैठक संसद के मॉनसून सत्र से पहले हुई, जो 20 जुलाई से शुरू होने वाला है। रिजिजू ने पत्रकारों से कहा कि इसे पूरे दिन की कार्यवाही के बहिष्कार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, यह सांकेतिक था। बैठक में तब बाधा आई जब विपक्ष के नेताओं ने हाल की राजनीतिक घटनाओं के विरोध में वॉकआउट किया; इन घटनाओं में 20 तृणमूल कांग्रेस सांसद और नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के साथ-साथ UBT शिवसेना के छह सांसद शामिल थे, जो शिवसेना में शामिल हो गए थे। भारतीयनौसेना जानकारी उन्होंने आगे कहा कि दलों की संख्यात्मक शक्ति पर चर्चा की गई और इस बात पर जोर देते हुए कहा कि हम राजनीतिक दलों की संख्यात्मक शक्ति के आधार पर मामलों पर चर्चा करते हैं, लेकिन हम निश्चित रूप से किसी को भी उसके अधिकारों से वंचित नहीं कर सकते। बैठक के बाद, रिजिजू ने विपक्षी दलों से संसदीय कार्यवाही में बाधा न डालने का आग्रह किया और इस बात पर बल दिया कि सरकार विधेयकों पर गहन बहस चाहती है। उन्होंने जल्दबाजी में या अराजकता के बीच विधेयकों को पारित करने के आरोपों के खिलाफ चेतावनी दी। छोटी पार्टियों की चिंताओं पर बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि छोटी पार्टियों के सदस्यों ने मांग की है कि उन्हें बोलने के लिए ज्यादा समय दिया जाए। इस पर हमने कहा है कि अगर संसद का सत्र ठीक से चलता है, तो सभी को बोलने का मौका मिलेगा। अगर कामकाज में रुकावट आती है, तो बोलने का मौका हाथ से निकल जाएगा।

कलकत्ता हाई कोर्ट से अभिषेक बनर्जी को राहत, ऑफिस विध्वंस पर लगी रोक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को रविवार को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत मिली। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के अमतला में उनके ऑफिस को गिराने पर रोक लगा दी और सभी पक्षों को अगली सुनवाई या जुलाई के आखिर तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। यह आदेश जस्टिस राजा बसु चौधरी ने दिया। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार को अमतला में अभिषेक के ऑफिस से जुड़े सभी दस्तावेज जमा करने का भी निर्देश दिया। बताया जाता है कि यह ऑफिस 'लीप्स एंड बाउंड्स' कंपनी का है। बताया जा रहा है कि इस इमारत का स्वामित्व 'लीप्स एंड बाउंड्स' कंपनी के पास है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुताबिक, तृणमूल नेता अभिषेक 'लीप्स एंड बाउंड्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। अदालत ने डायमंड हार्बर रोड स्थित इमारत को तोड़े जाने की कार्रवाई पर जुलाई के अंत तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। उसने कहा कि इस मामले की नियमित पीठ के समक्ष दोबारा सुनवाई की जाएगी। 'लीप्स एंड बाउंड्स' ने इमारत को गिराए जाने की कार्रवाई को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने अभिषेक के अमतला स्थित कार्यालय को तोड़ने की कार्रवाई शनिवार को शुरू की थी। उन्होंने बताया कि प्रशासन का कहना है कि यह इमारत कथित तौर पर स्वीकृत भवन योजना के बिना और लागू नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई थी। अभिषेक ने इमारत को अपना निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय बताते हुए शनिवार को दावा किया था कि अमतला स्थित उनका कार्यालय खरीदी गई जमीन पर कानूनी रूप से बनाया गया है और इसके लिए सभी जरूरी अनुमतियां भी ली गई थीं।

अमित शाह ने कोलकाता में 'म्यूजियम ऑफ वर्ड' का किया उद्घाटन, बोले- सांस्कृतिक विरासत पुनर्जीवित करने का बड़ा कदम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में नेशनल लाइब्रेरी में नवनिर्मित 'म्यूज़ियम ऑफ वर्ड' के पहले चरण का उद्घाटन किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को देश की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक बड़ी प्रगति बताया। शाह ने इस म्यूज़ियम को भारत की सांस्कृतिक पहचान को बचाने और बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की चल रही कोशिशों में एक बड़ी उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि यह देश की संस्कृति के लिए एक बहुत अहम दिन है, क्योंकि पीएम मोदी देश की सांस्कृतिक विरासत को फिर से जीवंत करने के संकल्प में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल कर रहे हैं। किसी भी देश या क्षेत्र की संस्कृति और उसकी अभिव्यक्ति भाषा के बिना नहीं हो सकती, और भाषा खुद भावनाओं से निकले शब्दों के बिना नहीं हो सकती। जब तक हमारी आने वाली पीढ़ियाँ इस सफर को नहीं समझेंगी, तब तक इस देश का सांस्कृतिक पुनरुद्धार सही मायने में नहीं हो सकता। मुझे पूरा भरोसा है कि यह 'शब्दों का म्यूज़ियम' सांस्कृतिक पुनरुद्धार की इस प्रक्रिया में एक बुनियादी जरूरत को पूरा करेगा और अपने मकसद में कामयाब होगा। उन्होंने स्थानीय भाषाओं को बचाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी देश की स्थानीय भाषाई पहचान को केवल भावनात्मक जुड़ाव तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे लोगों के चरित्र को सक्रिय रूप से आकार देना चाहिए।

संपादक की कलम से

अंतरराष्ट्रीय असुरक्षा के वातावरण में आर्थिक नियंत्रण देश की आवश्यकता

ललित शर्मा
संपादक

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स का कथन था कि 'संकट के समय विवेकपूर्ण उपभोग ही अर्थव्यवस्था को संतुलित रख सकता है।' विश्व अर्थव्यवस्था आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ युद्ध, ऊर्जा संकट और वैश्विक अस्थिरता ने आम जनजीवन को सीधे प्रभावित करना प्रारंभ कर दिया है। मध्य पूर्व एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका इजरायल की सामरिक नीतियों तथा तेल उत्पादक क्षेत्रों में अस्थिरता ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तीव्र वृद्धि कर दी है। इसका प्रभाव केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले विकासशील देशों की घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। ऐसी परिस्थिति में आर्थिक मितव्ययता केवल एक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता बन चुकी है। भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा भाग आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ते ही परिवहन महँगा हो जाता है, जिससे खाद्यान्न, सब्जियाँ, दवाइयाँ, निर्माण सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक की कीमतें बढ़ जाती हैं। यह स्थिति सामान्य परिवारों की आय और व्यय के बीच असंतुलन उत्पन्न करती है। मध्यमवर्ग और निम्नवर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि उनकी आय सीमित होती है, जबकि आवश्यकताओं की सूची लगातार बढ़ती जाती है। यदि व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझ ले, तो वह अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है। मितव्ययता का अर्थ कंजूसी नहीं होता, बल्कि संसाधनों का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करना होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी कई अवसरों पर यह कह चुके हैं कि भारत जैसे देशों में घरेलू बचत आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है। जब परिवार बचत करते हैं, तब बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होती है, निवेश बढ़ता है और भविष्य के संकटों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। यदि करोड़ों भारतीय परिवार प्रतिदिन केवल थोड़ी-सी भी बचत करना प्रारंभ कर दें, तो उसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उपभोक्तावाद ने जीवन शैली को प्रभावित कर दिया है। लोग आवश्यकता से अधिक खर्च को प्रतिष्ठा का प्रतीक मानने लगे हैं। मोबाइल, फैशन, दिखावा, अनियोजित यात्राएँ और अनावश्यक विद्युत उपभोग धीरे-धीरे घरेलू बजट को कमजोर कर देते हैं। आर्थिक संकट के समय यही आदतें परिवारों को कर्ज और मानसिक तनाव की ओर धकेलती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि बचत को किसी विशेष अवसर या अभियान तक सीमित न रखकर दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि 'सच्चा विकास वही है जिसमें व्यक्ति भविष्य की असुरक्षाओं से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हो।' बचत व्यक्ति को वही सुरक्षा प्रदान करती है। छोटी बचतें भविष्य में बड़े सहारे बनती हैं। भारतीय संस्कृति में भी बूंद-बूंद से घड़ा भरता है की परंपरा रही है। पहले घरों में अनाज, धन और संसाधनों को सहेज कर रखने की परंपरा थी। आधुनिक जीवनशैली ने उस सोच को कमजोर किया है, किंतु वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ पुन: उसी अनुशासन की ओर लौटने का संकेत दे रही हैं। यदि पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को देखें तो स्पष्ट होता है कि ईंधन की बचत भी राष्ट्रीय बचत है।

सरकारी व्यवस्था: भ्रष्टाचार की जन्मस्थली!

एन0के0शर्मा
लेखक

सरकारें बदलती हैं, नारे बदलते हैं, योजनाओं के नाम बदलते हैं, विभागों के भवन बदलते हैं, अधिकारियों की कुर्सियाँ बदलती हैं, लेकिन यदि कुछ नहीं बदलता तो वह है-व्यवस्था के भीतर जड़ जमा चुका भ्रष्टाचार। यह भ्रष्टाचार अब केवल रिश्वत की उस छोटी-सी रकम का नाम नहीं है, जो किसी फाइल को आगे बढ़ाने के लिए मेज के नीचे से दी जाती है। भ्रष्टाचार अब एक मानसिकता है, एक संस्कृति है, एक समानांतर व्यवस्था है-जिसने सरकारी तंत्र के एक बड़े हिस्से को भीतर से खोखला कर दिया है।

विडंबना यह है कि जिस व्यवस्था की स्थापना नागरिकों की सेवा के लिए हुई थी, वही व्यवस्था अनेक स्थानों पर नागरिकों के शोषण का सबसे शक्तिशाली औजार बन चुकी है। जिस कार्यालय के दरवाजे पर 'जनसेवा' लिखा होता है, वहाँ नागरिक को अपने ही अधिकार के लिए विनती करनी पड़ती है। जिस कर्मचारी को जनता के करों से वेतन मिलता है, वही कर्मचारी कई बार जनता को ऐसा महसूस कराता है जैसे वह अपने अधिकार की नहीं, किसी निजी कृपा की मांग कर रही हो। जिस अधिकारी की शपथ संविधान और कानून के प्रति होती है, वह कभी-कभी नियमों को अपनी सुविधा, स्वार्थ और आर्थिक लाभ के अनुसार मोड़ने लगता है।

यह प्रश्न केवल यह नहीं है कि भ्रष्टाचार क्यों है। असली प्रश्न यह है कि भ्रष्टाचार इतना सामान्य कैसे हो गया? रिश्वत लेने वाला व्यक्ति अपराधबोध से मुक्त कैसे हो गया? कामचोरी करने वाला कर्मचारी अपने कर्तव्य से विमुख होकर भी सम्मानित कैसे बना हुआ है? फाइल दबाने वाला अधिकारी अपने विलंब को प्रशासनिक प्रक्रिया का नाम देकर बच कैसे जाता है? झूठी रिपोर्ट बनाने वाला व्यक्ति कानून और सत्य की आंखों में आंखें डालकर कैसे खड़ा रहता है? और सबसे भयावह प्रश्न-क्या हमने भ्रष्टाचार को अपराध मानना ही छोड़ दिया है?

भ्रष्टाचार केवल धन की चोरी नहीं है। जब कोई सरकारी कर्मचारी काम के बदले रिश्वत लेता है, तो वह केवल पैसा नहीं चुराता-वह नागरिक का समय चुराता है, उसका सम्मान चुराता है, उसका अधिकार चुराता है और उसके भीतर व्यवस्था के प्रति विश्वास की हत्या करता है। जब कोई अधिकारी जानबूझकर फाइल रोकता है, तो वह केवल कागज नहीं रोकता-वह किसी परिवार की आशा रोकता है, किसी वृद्ध की पेंशन रोकता है, किसी किसान का भुगतान रोकता है, किसी विद्यार्थी का भविष्य रोकता है, किसी पीड़ित का न्याय रोकता है।

और जब न्याय, अधिकार और सेवा को पैसे से तौला जाने लगे, तब यह समझ लेना चाहिए कि भ्रष्टाचार किसी एक व्यक्ति की बुराई नहीं रह गया है; वह व्यवस्था की आत्मा में प्रवेश कर चुका है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि कई बार नीचे से ऊपर तक एक मौन समझौते की तरह फैलता है। छोटे स्तर पर काम रोकने वाला कर्मचारी, मध्य स्तर पर फाइलों को नियंत्रित करने वाला अधिकारी और उच्च स्तर पर निर्णयों को प्रभावित करने वाला तंत्र-जब ये सभी अपने-अपने हिस्से का लाभ सुनिश्चित करने लगते हैं, तब भ्रष्टाचार एक व्यक्ति का अपराध नहीं रहता; वह एक संगठित व्यवस्था बन जाता है।

कहीं प्रमाणपत्र के लिए रिश्वत, कहीं लाइसेंस के लिए रिश्वत, कहीं निर्माण की अनुमति के लिए रिश्वत, कहीं निरीक्षण के नाम पर रिश्वत, कहीं शिकायत बंद करने के लिए रिश्वत, कहीं शिकायत दर्ज न करने के लिए रिश्वत। कहीं फाइल इसलिए आगे बढ़ती है क्योंकि किसी ने भुगतान किया, और कहीं इसलिए रुक जाती है क्योंकि किसी ने भुगतान नहीं किया।

यह कैसी व्यवस्था है जिसमें ईमानदार व्यक्ति को अपने अधिकार के लिए भी 'व्यवहारिक' होने की सलाह दी जाती है? यह कैसी प्रशासनिक संस्कृति है जिसमें नियमों का पालन करने वाला नागरिक परेशान होता है और नियमों को तोड़ने वाला व्यक्ति संपर्क, प्रभाव और धन के बल पर आगे निकल जाता है? जब व्यवस्था में ईमानदारी नुकसान का सौदा और बेईमानी लाभ का माध्यम बन जाए, तब समाज में नैतिक पतन केवल प्रशासनिक समस्या नहीं रहता-वह सभ्यता का संकट बन जाता है।

भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा शिकार गरीब और सामान्य नागरिक होता है। जिसके पास प्रभाव नहीं, राजनीतिक संपर्क नहीं, आर्थिक सामर्थ्य नहीं, वह सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटता रहता है। उसके पास समय नहीं, लेकिन व्यवस्था उसका समय खाती रहती है। उसके पास पैसा नहीं, लेकिन व्यवस्था उससे पैसा मांगती रहती है। उसके पास शक्ति नहीं, इसलिए उसकी आवाज दबा दी जाती है।

एक गरीब वृद्ध अपनी पेंशन के लिए महीनों भटकता है। एक विधवा अपने अधिकार के लिए अधिकारियों के दरवाजे पर जाती है। एक किसान अपने भुगतान के लिए कार्यालयों में घूमता है। एक युवा रोजगार प्रमाणपत्र या दस्तावेज के लिए अपमानित होता है। एक व्यापारी

अनुमति और स्वीकृति के लिए अनिश्चितता में जीता है। एक पीड़ित शिकायत लेकर जाता है, लेकिन उसकी शिकायत को ही कागजों के नीचे दबा दिया जाता है।

इन सबके बीच यदि कोई व्यक्ति कहता है-'थोड़ा खर्च कर दीजिए, काम जल्दी हो जाएगा'-तो वह केवल रिश्वत नहीं मांग रहा होता; वह नागरिक को यह संदेश दे रहा होता है कि इस देश में अधिकार कानून से नहीं, पैसे से मिलता है। यह संदेश लोकतंत्र के लिए अत्यंत घातक है।

लोकतंत्र केवल मतदान का नाम नहीं है। लोकतंत्र उस विश्वास का नाम है कि राज्य नागरिक के साथ न्याय करेगा। लेकिन जब नागरिक यह मानने लगे कि बिना रिश्वत उसका काम नहीं होगा, बिना सिफारिश उसकी फाइल नहीं चलेगी, बिना दबाव उसकी शिकायत नहीं सुनी जाएगी, तब लोकतंत्र का संस्थागत विश्वास धीरे-धीरे मरने लगता है।

भ्रष्टाचार की सबसे खतरनाक अवस्था वह होती है, जब भ्रष्ट व्यक्ति स्वयं को भ्रष्ट मानना बंद कर देता है। वह रिश्वत को 'चाय-पानी' कहता है। कामचोरी को 'सरकारी नौकरी का अधिकार' समझता है। झूठी रिपोर्ट को 'प्रक्रिया' कहता है। पक्षपात को 'व्यवहारिकता' कहता है। अनुचित लाभ को 'सिस्टम का हिस्सा' कहता है। यहीं से नैतिक पतन का वास्तविक आरंभ होता है।

जब एक कर्मचारी काम नहीं करता और फिर भी वेतन लेता है, तो वह जनता के धन की चोरी करता है। जब कोई अधिकारी जानबूझकर निर्णय में देरी करता है, तो वह नागरिक के जीवन से समय चुराता है। जब कोई सरकारी तंत्र गलत व्यक्ति को लाभ पहुंचाता है, तो वह सार्वजनिक संसाधनों की चोरी करता है। जब कोई कर्मचारी झूठी उपस्थिति दर्ज कराता है, तो वह सत्य की चोरी करता है। जब कोई व्यक्ति अपने पद का दुरुपयोग करता है, तो वह राज्य के विश्वास की चोरी करता है। और जब यही सब सामान्य बन जाता है, तब समाज में एक भयानक संदेश जाता है-ईमानदार रहकर कोई लाभ नहीं, नियमों का पालन करके कोई सम्मान नहीं, सत्य बोलकर कोई सुरक्षा नहीं।

यह संदेश किसी भी राष्ट्र को भीतर से नष्ट कर सकता है। भ्रष्टाचार की जड़ केवल धनलोलुपता में नहीं होती। उसकी जड़ चरित्र के पतन में होती है। एक व्यक्ति जब अपने पद की शपथ भूल जाता है, जब उसे जनता का विश्वास दिखाई नहीं देता, जब उसे केवल अपना लाभ दिखाई देता है, तब वह अपने पद से पहले अपने जमीर को बेचता है। वह शायद आज कुछ हजार, कुछ लाख या कुछ करोड़ कमा ले। वह अपने बच्चों के लिए महंगे विद्यालय, शानदार घर, महंगी गाड़ियाँ और सुविधाएँ जुटा ले। लेकिन क्या वह उन्हें ईमानदारी का उत्तराधिकार दे पाएगा?

यह प्रश्न हर भ्रष्ट व्यक्ति को स्वयं से पूछना चाहिए। आप अपने बच्चों के लिए धन जुटा रहे हैं या उनके भविष्य की नैतिक नींव बेच रहे हैं? आप उन्हें संपत्ति दे रहे हैं या यह संदेश दे रहे हैं कि सफलता का रास्ता सत्य से नहीं, छल से होकर गुजरता है? आप उनके लिए सुविधाएँ खरीद रहे हैं या उनके भीतर अपराध को सामान्य बनाने की मानसिकता पैदा कर रहे हैं? जिस धन से किसी गरीब की पेंशन रोकी गई हो, जिस धन से किसी पीड़ित की फाइल दबाई गई हो, जिस धन से किसी अवैध निर्माण को अनुमति मिली हो, जिस धन से किसी योग्य व्यक्ति का अधिकार छीना गया हो-वह धन घर में भले ही समृद्धि लेकर आए, लेकिन वह आत्मा में कभी शांति नहीं ला सकता। भ्रष्टाचार से अर्जित धन केवल बैंक खाते में जमा नहीं होता; वह आने वाली पीढ़ियों के चरित्र पर भी जमा होता है। कभी-कभी भ्रष्ट व्यक्ति अपने बच्चों को महंगे विद्यालयों में नैतिक शिक्षा पढ़ाता है। उन्हें सत्य, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के पाठ पढ़ाता है। लेकिन घर की दीवारों के भीतर वही बच्चा यह भी देखता है कि पिता की आय और जीवनशैली में असमानता है। वह देखता है कि घर में आने वाला धन हमेशा पारदर्शी नहीं है। वह सुनता है कि 'सिस्टम में ऐसे ही चलता है।' और धीरे-धीरे वह सीखता है कि आदर्श भाषणों के लिए होते हैं, जीवन के लिए नहीं। यही वह क्षण है जब एक व्यक्ति का भ्रष्टाचार पीढ़ीगत भ्रष्टाचार में बदल जाता है।

किसी भी राष्ट्र का पतन अचानक नहीं होता। पहले संस्थाएँ कमजोर होती हैं। फिर नियमों का सम्मान घटता है। फिर भ्रष्टाचार सामान्य होता है। फिर ईमानदार व्यक्ति मूर्ख कहलाता है। फिर नागरिक व्यवस्था पर विश्वास खो देता है। फिर कानून केवल कमजोरों पर लागू होता है। और अंततः राज्य की शक्ति बनी रहती है, लेकिन उसकी नैतिक वैधता समाप्त हो जाती है।

आज भ्रष्टाचार के विरुद्ध सबसे बड़ी लड़ाई केवल कानून से नहीं, मानसिकता से लड़नी होगी।

क्योंकि कानून मौजूद हैं। दंड के प्रावधान मौजूद हैं। जांच एजेंसियाँ मौजूद हैं। निगरानी तंत्र मौजूद हैं। शिकायत प्रणालियाँ मौजूद हैं। डिजिटल व्यवस्थाएँ मौजूद हैं। फिर भी भ्रष्टाचार क्यों कायम है? क्योंकि भ्रष्टाचार केवल व्यवस्था की खामियों में नहीं रहता; वह व्यवस्था के भीतर बैठे मनुष्य की नीयत में भी रहता है।

एक अत्यंत कठोर कानून भी उस व्यक्ति को ईमानदार नहीं बना सकता, जो अपराध को अपराध मानता ही नहीं। एक हजार निगरानी कैमरे भी उस मानसिकता को नहीं बदल सकते, जो जनता को अपना शिकार समझती है। एक नई डिजिटल प्रणाली भी उस भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं कर सकती, जिसमें नियम बनाने वाला ही नियमों को तोड़ने का रास्ता खोज ले।

इसलिए भ्रष्टाचार विरोधी संघर्ष का पहला चरण है-नैतिक पुनर्जागरण। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सरकारी नौकरी जनता पर अधिकार नहीं, जनता के प्रति उत्तरदायित्व है। सरकारी पद व्यक्तिगत शक्ति नहीं, सार्वजनिक विश्वास है। सरकारी कार्यालय किसी अधिकारी की निजी जागीर नहीं, नागरिकों की सेवा का संस्थान है। सरकारी वेतन किसी की निजी कृपा नहीं, जनता के करों से प्राप्त धन है। जिस कर्मचारी को यह समझ नहीं है कि उसका वेतन किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी और आम नागरिक के करों से आता है, उसे अपने पद की वास्तविकता समझने की आवश्यकता है।

सरकारी कुर्सी किसी व्यक्ति की संपत्ति नहीं है। वह जनता की अमानत है। और अमानत में खयानत केवल कानूनी अपराध नहीं, नैतिक अपराध भी है। आज सबसे बड़ा संकट यह है कि भ्रष्टाचार को लेकर समाज में भी एक विचित्र दोहरापन दिखाई देता है। जब रिश्वत हमें देनी पड़ती है, तो हम भ्रष्टाचार को कोसते हैं। जब कोई रिश्वत लेकर हमारा काम कर देता है, तो हम उसे 'काम निकालने वाला' कहते हैं। जब किसी अधिकारी पर कार्रवाई होती है, तो हम कहते हैं कि भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए। लेकिन जब अपने किसी परिचित का अनुचित काम करवाना हो, तो हम संपर्क खोजते हैं।

यह दोहरा चरित्र भी भ्रष्टाचार की खाद है। भ्रष्टाचार केवल लेने वाले से नहीं, देने वाले से भी मजबूत होता है। हालांकि यह भी सत्य है कि कई बार नागरिक मजबूरी में रिश्वत देने के लिए विवश होता है। इसलिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आम नागरिक को अकेला दोषी ठहराना अन्याय होगा। लेकिन समाज को यह भी समझना होगा कि अनुचित लाभ प्राप्त करने की इच्छा और मजबूरी में दिए गए धन के बीच अंतर है। एक व्यक्ति अपना वैध अधिकार पाने के लिए मजबूरी में भुगतान करता है-यह व्यवस्था की विफलता है।

दूसरा व्यक्ति अपना अवैध काम कराने के लिए भुगतान करता है-यह सामाजिक और नैतिक भ्रष्टाचार है। दोनों को एक ही तराजू में नहीं तौला जा सकता। भ्रष्टाचार की सबसे भयावह अभिव्यक्ति वह है जब कानून का रक्षक ही कानून का व्यापारी बन जाए। जब निरीक्षण करने वाला व्यक्ति अवैधता से समझौता करे। जब शिकायत की जांच करने वाला ही शिकायतकर्ता को दबाने लगे। जब निस्तारण का अर्थ न्याय नहीं, बल्कि कागज पर समस्या समाप्त करना हो। जब किसी पीड़ित की शिकायत का समाधान करने के बजाय उसे झूठी रिपोर्ट से बंद कर दिया जाए। तब प्रशासन नागरिक की समस्या का समाधान नहीं करता-वह नागरिक की आवाज को समाप्त करता है। यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत खतरनाक है। किसी शिकायत का झूठा निस्तारण केवल एक कागज का झूठ नहीं है। वह राज्य के आधिकारिक रिकॉर्ड में सत्य की हत्या है। वह पीड़ित के अधिकार का अपमान है। वह प्रशासनिक ईमानदारी पर हमला है। और यदि यह लगातार होता रहे, तो नागरिक अंततः शिकायत करना बंद कर देता है। जब नागरिक शिकायत करना बंद कर दे, तो इसका अर्थ यह नहीं कि समस्या समाप्त हो गई। इसका अर्थ है कि नागरिक ने व्यवस्था से उम्मीद छोड़ दी है।

और जिस दिन जनता व्यवस्था से उम्मीद छोड़ देती है, उस दिन किसी भी लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बजने लगती है। भ्रष्टाचार की एक और भयावह शाखा है-कामचोरी। रिश्वत लेने वाला व्यक्ति कम से कम अवैध लाभ की तलाश में सक्रिय तो रहता है, लेकिन कामचोर व्यक्ति बिना काम किए जनता के धन पर जीवित रहता है। वह कार्यालय में उपस्थित होकर भी अनुपस्थित रहता है। वह कुर्सी पर बैठकर भी जिम्मेदारी से भागता है। वह फाइलों को टालता है, नागरिकों को घुमाता है, निर्णय से बचता है और हर समस्या को दूसरे विभाग की ओर धकेल देता है। कामचोरी भी चोरी है। जो व्यक्ति अपने कार्य के बदले वेतन लेता है और कार्य नहीं करता, वह सार्वजनिक धन का उपभोग करता है। वह उस नागरिक के साथ धोखा करता है, जिसके कर से उसका वेतन आता है। यह विडंबना है कि निजी क्षेत्र में कुछ मिनट की देरी पर जवाब मांगा जाता है, लेकिन सरकारी व्यवस्था में कई बार महीनों और वर्षों की देरी को 'प्रक्रियात्मक विलंब' कहकर टाल दिया जाता है।

मजबूर नहीं मजबूत

वीना तन्वी

कविता

चल पड़े हैं अगले कदम पर हम तो,
मंजिल अभी हमसे बहुत ही दूर है।।
कठिन डगर लेखन कि मेरी फिर भी,
लगे सुंदर, सुगम, सुदृढ़, सुदूर है।।

लेखन करती मेरी सुकून ए जिंदगी
लिखे दर्द तो न लगे लेखिका मजबूत है
खुद को तलाश, तराश कर है संवार
मेहनत से बनी लेखिका ये जरूर है ।।

विजय पाई अपने ही अंतर्मन पर मैंने
अब दर्द मुझसे रहे सच कोसो दूर है।।
ना शिकायत, ना उम्मीद किसी से अब
आत्मविश्वास मुझ मे भरा अब भरपूर है।।

दिखाया वक्त ने, चेहरों पर लगे हुए नकाब
इसी वक्त ने नकाबपोशों से किया दूर है।।
दिया वक्त ने ही मेरा साथ ताकत बन मेरी
कहा सुन वीना तू नहीं अकेली, मजबूर है।।

सोनम वांगचुक और सुर्खियों से आगे का सच

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका वास्तविक जनसमर्थन होता है। कैमरों की चमक, सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग सूची, यूट्यूब की लाखों व्यूज या टीवी चैनलों की लगातार बहसें किसी आंदोलन को चर्चा का विषय तो बना सकती हैं, लेकिन वे स्वयं जनमत का प्रमाण नहीं होतीं। इतिहास गवाह है कि अनेक ऐसे आंदोलन रहे जिन्हें मीडिया ने बहुत कम स्थान दिया, फिर भी वे समाज में व्यापक परिवर्तन का कारण बने। वहीं कुछ ऐसे आंदोलन भी रहे जो मीडिया में छाए रहे, लेकिन समाज में स्थायी आधार नहीं बना सके।

पिछले कुछ वर्षों में लद्दाख और वहां के पर्यावरण, संवैधानिक अधिकारों तथा स्थानीय प्रतिनिधित्व को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा हुई है। इस विमर्श में सोनम वांगचुक एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, हिमालयी पारिस्थितिकी, स्थानीय संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर रखा। देशभर में अनेक लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया, जबकि दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि उनकी राष्ट्रीय पहचान और स्थानीय जनसमर्थन के बीच पर्याप्त अंतर है।

यही प्रश्न आज लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में है-क्या किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय लोकप्रियता ही उसके स्थानीय जनाधार का प्रमाण है? या फिर किसी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके अपने समाज के विश्वास और भागीदारी से तय होती है? हाल ही में लद्दाख के एक सामाजिक संगठन के पदाधिकारी से हुई बातचीत में यह मत सामने आया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के समर्थन में वैसी व्यापक जन-लहर नहीं दिखाई देती जैसी राष्ट्रीय मीडिया में प्रस्तुत की जाती है। यदि यह आकलन सही है, तो यह विचारणीय है कि राष्ट्रीय विमर्श और स्थानीय वास्तविकता के बीच इतना अंतर क्यों दिखाई देता है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी एक संगठन या व्यक्ति की राय को पूरे लद्दाख की सामूहिक राय मान लेने से भी बचा जाए। लोकतंत्र में समाज बहुआयामी होता है और किसी भी क्षेत्र में अनेक मत, अनेक समूह और अनेक दृष्टिकोण मौजूद रहते हैं।

आज मीडिया का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पहले समाचारों का चयन संपादकीय विवेक से होता था, अब एल्गोरिद्म, क्लिक, व्यूज और ट्रेंड भी यह तय करने लगे हैं कि कौन-सा मुद्दा अधिक दिखाई देगा। परिणामस्वरूप कई बार किसी व्यक्ति की छवि उसके वास्तविक सामाजिक प्रभाव से कहीं अधिक बड़ी दिखाई देने लगती है। दूसरी ओर, कई ऐसे स्थानीय मुद्दे जो वास्तव में जनता के जीवन से जुड़े होते हैं, राष्ट्रीय विमर्श से गायब रहते हैं। सोशल मीडिया ने

अभिव्यक्ति का लोकतंत्रीकरण किया है, लेकिन इसके साथ ही उसने 'नैरेटिव निर्माण' को भी नई गति दी है। कुछ मिनट का वीडियो, भावनात्मक अपील, प्रभावशाली संगीत और लगातार साझा किए जाने वाले संदेश किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रीय पहचान दिला सकते हैं। किंतु लोकतंत्र केवल डिजिटल लोकप्रियता से नहीं चलता। लोकतंत्र का आधार वास्तविक समाज, वास्तविक नागरिक और वास्तविक जनभागीदारी है। आज अनेक यूट्यूब चैनल स्वयं को स्वतंत्र पत्रकारिता का प्रतिनिधि बताते हैं। उनमें से कई उत्कृष्ट कार्य भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो किसी वैचारिक, राजनीतिक या व्यावसायिक उद्देश्य से एकतरफा सामग्री प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में दर्शकों के सामने चुनौती यह होती है कि वे सूचना और प्रचार के बीच अंतर कैसे करें। यदि कोई चैनल केवल एक ही पक्ष को दिखाए और दूसरे पक्ष की उपेक्षा करे, तो वह पत्रकारिता के मूल उद्देश्य से भटक जाता है।

इसी प्रकार मुख्यधारा का मीडिया भी कई बार व्यक्तियों को मुद्दों से बड़ा बना देता है। परिणाम यह होता है कि पर्यावरण, स्थानीय प्रशासन, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाते हैं और चर्चा केवल किसी एक चेहरे तक सीमित रह जाती है। लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति स्वस्थ नहीं मानी जा सकती। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी आंदोलन की सफलता केवल उसके नेता की लोकप्रियता पर निर्भर नहीं करती। यदि स्थानीय समाज सक्रिय रूप से उसके साथ नहीं जुड़ता, तो आंदोलन की गति सीमित हो सकती है। वहीं यदि जनता व्यापक रूप से उसके साथ खड़ी हो, तो मीडिया चाहे जितना मौन रहे, आंदोलन अपनी दिशा स्वयं बना लेता है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अनेक सामाजिक आंदोलनों तक यही अनुभव सामने आया है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मीडिया किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके चर्चित चेहरे के आधार पर न करे। उसे यह भी देखना चाहिए कि उस आंदोलन से स्थानीय लोग कितनी संख्या में जुड़े हैं, उनके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ रहा है और उनके भीतर उसके प्रति कितना विश्वास है। इसी प्रकार किसी आंदोलन के आलोचकों को भी तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए, न कि केवल भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के आधार पर। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना समर्थन का। यदि कोई व्यक्ति सरकार की नीतियों की आलोचना करता है, तो उसे अपनी बात रखने का अधिकार है। उसी प्रकार यदि समाज का कोई वर्ग उसकी बात से असहमत है, तो उसे भी अपनी राय रखने का समान अधिकार है। लोकतांत्रिक परंपरा का अर्थ ही यही है कि विभिन्न मत सम्मानपूर्वक सामने आएँ और जनता स्वयं निर्णय करे।

लद्दाख जैसे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में विकास, पर्यावरण, सुरक्षा और स्थानीय पहचान के प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन विषयों पर गंभीर और तथ्याधारित चर्चा होनी चाहिए। यदि पूरा विमर्श केवल किसी एक व्यक्ति के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए, तो वास्तविक समस्याएँ पीछे छूट जाती हैं। इससे न समाज का भला होता है और न ही लोकतंत्र का। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किसी भी विषय को लेकर कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय अभियान चलाया जा सकता है। हैशटैग ट्रेंड होने लगते हैं, वीडियो वायरल हो जाते हैं और यह भ्रम पैदा हो सकता है कि पूरा देश किसी एक मत पर सहमत है। किंतु वास्तविक जनमत का आकलन केवल डिजिटल गतिविधियों से नहीं किया जा सकता। गाँव, कस्बे, स्थानीय संस्थाएँ, नागरिक संगठन और जनता की प्रत्यक्ष भागीदारी कहीं अधिक महत्वपूर्ण संकेतक हैं। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्ता से प्रश्न पूछना है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि वह आंदोलनों और उनके नेताओं से भी प्रश्न पूछे। यदि पत्रकारिता केवल किसी एक पक्ष की प्रवक्ता बन जाए, तो उसकी विश्वसनीयता कम हो जाती है। लोकतंत्र में मीडिया की सबसे बड़ी पूँजी उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता है। आज आवश्यकता संतुलित विमर्श की है। किसी भी व्यक्ति को देवता बनाना भी उचित नहीं और बिना पर्याप्त तथ्यों के उसे पूरी तरह खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं है। व्यक्तियों से अधिक महत्वपूर्ण वे मुद्दे हैं जिनके लिए वे आवाज उठाते हैं। यदि मुद्दे सही हैं, तो उन पर चर्चा होनी चाहिए; यदि तर्क कमजोर हैं, तो उनकी आलोचना भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए।

अंततः लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है। मीडिया केवल सूचना का माध्यम हो सकता है, निर्णय का स्थानापन्न नहीं। सोशल मीडिया किसी व्यक्ति को प्रसिद्ध बना सकता है, लेकिन स्थायी सम्मान वही प्राप्त करता है जिसे समाज का विश्वास मिलता है। इसलिए किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन कैमरों की संख्या, व्यूज, लाइक या ट्रेंडिंग हैशटैग से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक जनाधार, स्थानीय सहभागिता, लोकतांत्रिक स्वीकार्यता और समाज पर पड़े प्रभाव से किया जाना चाहिए।

लोकतंत्र का भविष्य भी इसी संतुलन में सुरक्षित है-जहाँ मीडिया तथ्य प्रस्तुत करे, समाज विवेक से निर्णय ले और किसी भी व्यक्ति या आंदोलन का मूल्यांकन प्रचार नहीं, बल्कि प्रमाण और जनविश्वास के आधार पर किया जाए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है और यही पत्रकारिता का वास्तविक दायित्व भी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568
किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

सरस्वती इंस्टीट्यूट में 'ऐशआथी सक्षम' महिला कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ, छह माह का नि:शुल्क प्रशिक्षण मिलेगा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल (SIMS), हापुड़ एवं वाळ फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'ऐशआथी सक्षम (AshAthi Saksham – Skills for Self Reliance)' महिला कौशल विकास कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं रिबन काटकर महिला कौशल विकास केंद्र के उद्घाटन के साथ हुआ। इस अवसर पर आश्रया रामचंद्रन एवं आथिरा रामचंद्रन ने संयुक्त रूप से केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में वाळ फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी तथा सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की वाइस चेयरपर्सन श्रीमती रम्या रामचंद्रन, प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मेजर जनरल डॉ. चरणजीत सिंह अहलूवालिया, सीनियर एडवाइजर ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, डायरेक्टर रघुवर दत्त, जनरल मैनेजर एन. वर्धराजन, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ए. रेवंत कुमार सहित चिकित्सक, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं। रम्या रामचंद्रन ने कहा कि 'ऐशआथी सक्षम' केवल कौशल विकास कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सम्मानजनक भविष्य की नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण से परिवार, समाज और राष्ट्र मजबूत होता है।

जनरल मैनेजर एन. वर्धराजन ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ समाज के सर्वांगीण विकास में भी योगदान देना है। वहीं डॉ. ए. रेवंत कुमार ने महिला सशक्तिकरण को विकसित भारत के निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए इस पहल को सराहनीय बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं के लिए छह माह का पूर्णतः निःशुल्क प्रमाणपत्र आधारित प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इसमें कंप्यूटर एप्लीकेशन तथा ब्यूटी एंड वेलनेस के रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। प्रशिक्षण पूरा करने वाली प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे उन्हें स्वरोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कोनिका गुप्ता ने किया। समापन पर अतिथियों ने कौशल विकास केंद्र का निरीक्षण किया और इस पहल को महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि 'महिला सशक्तिकरण किसी भी विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। 'ऐशआथी सक्षम' महिलाओं को कौशल, आत्मविश्वास और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल साबित होगी।'

हापुड़ जिले सैनिक परिवारों को सम्मानित किया गया

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के सिंभावली में उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री डा.सोमेन्द्र तोमर, जिला पंचायत प्रशासक रेखा नागर व विधायक हरेंद्र तेवतिया देश के प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रध्दासुमन अर्पित करते हुए कहा कि शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नही जा सकता।

सैनिक परिवारों के सम्मान के लिए लोगो को सदैव तत्पर रहना चाहिए। हापुड़ जिले के कस्बा सिंभावली में स्थित चौधरी फार्म में रविवार को आयोजित भूतपूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह 2026 में भाजपा नेताओं और सैनिक परिवारों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले वीर भूतपूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं उनके परिवारजनों का सम्मान कर उनके अद्वितीय साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को नमन किया गया। वीर सैनिकों का पराक्रम केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्योति प्रज्वलित करता है। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं, सैन्य अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हरिद्वार में हापुड़ के छात्र दक्ष भारद्वाज का शानदार प्रदर्शन, जीता गोल्ड व सिल्वर मेडल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। उत्तराखंड की पावन नगरी हरिद्वार में आयोजित तीन दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जनपद हापुड़ के कस्बा सिंभावली स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल के कक्षा 11 के छात्र दक्ष भारद्वाज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। अंडर-17 आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं में दक्ष भारद्वाज ने शॉट पुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) तथा डिस्कस थ्रो स्पर्धा में रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।दक्ष की इस उपलब्धि पर उनके पिता दीपक शर्मा, जो स्वास्थ्य विभाग के टीबी विभाग में जिला कार्यक्रम समन्वयक (District Program Coordinator) के पद पर कार्यरत हैं, सहित विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजेश सिंह तथा जिला पीपीएम समन्वयक सुशील चौधरी ने दक्ष को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास जताया कि वह भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद और देश का नाम रोशन करेंगे। वहीं, मॉडर्न पब्लिक स्कूल की चेयरमैन मीना सिंह ने छात्र, उसके अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए इसे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियाँ अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।

क्रीड़ा भारती के उद्देश्य और कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला: उन्होंने हापुड़ के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से किया संवाद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के क्रीड़ा भारती के मेरठ प्रांत सह मंत्री ललित कुमार के हापुड़ प्रवास के दौरान क्रीड़ा भारती हापुड़ के द्वारा भव्य,गरिमामय और प्रेरणादायी कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। अपने उद्बोधन में ललित कुमार ने क्रीड़ा भारती के उद्देश्य और कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने हापुड़ के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से संवाद करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने विशेष रूप से क्रीड़ा केंद्रो पर भारतीय पारंपरिक खेलों के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि कबड्डी जैसे स्वदेशी खेल हमारी सांस्कृतिक पहचान के अभिन्न अंग हैं, जिन्हें बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उनके अनुसार, खेल केवल प्रतियोगिता या मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकता का सशक्त साधन भी हैं।

जिलाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने बताया की क्रीड़ा भारती द्वारा देशभर में खेलों के प्रचार-प्रसार, खिलाड़ियों के विकास और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण हेतु विभिन्न प्रवास कार्यक्रमों व खेल प्रतियोगिताओं (जैसे क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा,खेल संवाद संगम,और विभिन्न योग शिविर) का आयोजन किया जाता है।

क्रीड़ा भारती के कार्यकर्ता,पदाधिकारी एवं खेल विशेषज्ञ राज्य और जिला स्तर पर प्रवास कर स्थानीय खेल अकादमियों, स्कूलों और खिलाड़ियों से संपर्क करते हैं। एल एन स्पोर्ट्स क्लब हापुड़ व जेएमएस वर्ल्ड स्कूल हापुड़ क्रीड़ा भारती हापुड़ के क्रीड़ा केंद्रो पर उपस्थित खिलाड़ियों, पदाधिकारियों और कार्यकताओं में शुरूआत से ही राष्ट्रभावना और खेल के प्रति समर्पण स्पष्ट दिखाई दिया। सभी ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर क्रीड़ा भारती विभाग संयोजक डॉ सुदर्शन त्यागी, मेरठ प्रांत दिव्यांग प्रमुख व मेरठ मंत्री मनीष कुमार मनीष कुमार, जिला संरक्षक बृजेश गर्ग, नगर हापुड़ अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, जिला मंत्री मनप्रीत खैरा, सह मंत्री मनोज अग्रवाल, सुभाष सैनी, मोहित शर्मा, परवीन कुमार,अनुभव नरवाल, दीपांशु गर्ग, अंकुश, सिद्धार्थ, शिवा,गीता त्यागी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेपाल ले जाई जा रही यूरिया खाद बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

ककरहवा/सिद्धार्थनगर। थाना मोहाना पुलिस ने तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन बोरी यूरिया खाद और एक साइकिल के साथ एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। बरामद सामान को अग्रिम कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय ककरहवा भेज दिया गया।थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में रविवार को पुलिस टीम मजिगवा-लीलाडीहवा मार्ग पर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति को तीन बोरी यूरिया खाद और एक साइकिल के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान कलामुद्दीन (44) पुत्र इनुस, निवासी ग्राम पड़रिया, थाना लुंबिनी, जनपद रूपनदेही (नेपाल) के रूप में हुई। पुलिस ने बरामद यूरिया खाद और साइकिल को जब्त कर मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को कस्टम अधिनियम की धारा-11 के तहत कस्टम कार्यालय ककरहवा भेज दिया। टीम में चौकी प्रभारी ककरहवा उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी मनोज कुमार तथा मुख्य आरक्षी आत्मानंद यादव शामिल रहे।

डीजल चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार; तीन ड्रम डीजल व पिकअप बरामद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

ढेबरुआ/सिद्धार्थनगर। थाना ढेबरुआ पुलिस और जनपदीय एसओजी की संयुक्त टीम ने डीजल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के तीन ड्रम डीजल तथा घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई को इंडस टावर आरएसटी कंपनी के कर्मचारी आशीष यादव ने थाना ढेबरुआ में तहरीर देकर बताया था कि 16/17 जुलाई की रात कंपनी का डीजल लेकर जा रहे वाहन को ढेकहरी चौराहा और महादेव खुर्द गांव के बीच कुछ लोगों ने रोक लिया। चालक ऐनूल उर्फ मोनू और उसके साथी अकबर अली के साथ मारपीट की गई तथा वाहन से करीब 660 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया। प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। रविवार को राप्ती मुख्य नहर स्थित धनौरा पुल के पास चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी निशानदेही पर चोरी के तीन ड्रम डीजल और घटना में प्रयुक्त पिकअप बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ऐनूल उर्फ मोनू पुत्र अकबर अली तथा अकबर अली उर्फ दानिश अली पुत्र अनवर अली, निवासी गौरिया, थाना रानीपुर, जनपद बहराइच के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय भेज दिया है। टीम में प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद, एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक चंद्रकांत पांडेय, उपनिरीक्षक सोमनाथ शर्मा, हेड कांस्टेबल अवनीश प्रताप सिंह, कांस्टेबल उमेश यादव, पंचम यादव, भानू प्रताप सिंह , एसओजी हेड कांस्टेबल राजीव शुक्ला, मनिंद्र प्रताप चंद, दिलीप कुमार, कांस्टेबल वीरेंद्र तिवारी, रोहित चौहान, सत्येंद्र यादव और छविराज यादव शामिल रहे।

पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए मोटर रिपेयरिंग व सिलाई प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन आवेदन शुरू

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पिछड़ी जाति के युवाओं के लिए निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। योजना के तहत पुरुष अभ्यर्थियों को मोटर साइकिल रिपेयरिंग तथा महिला अभ्यर्थियों को सिलाई ट्रेड में चार माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उपायुक्त उद्योग अधिकारी शिवशंकर कुमार ने बताया कि योजना का लाभ 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे अभ्यर्थियों को मिलेगा, जो न्यूनतम कक्षा आठ उत्तीर्ण हों तथा सिद्धार्थनगर जनपद के निवासी हों। इच्छुक अभ्यर्थी उद्योग विभाग के ई-पोर्टल diupmsme.upsdc.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी भी पोर्टल पर उपलब्ध है। किसी प्रकार की असुविधा होने पर अभ्यर्थी जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, सिद्धार्थनगर कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

मानकचौक की पीडीए पंचायत में सपा नेता पदम सिंह जाटव का हुंकार, बोले– बूथ की मजबूती से मिशन-2027 होगा सफल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के तहत समाजवादी पार्टी ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मानकचौक में पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ सपा नेता पदम सिंह जाटव ने किया।

पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए पदम सिंह जाटव ने कहा कि समाजवादी पार्टी गांव-गांव पीडीए पंचायतों के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रही है।

उन्होंने कहा कि पीडीए सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा तथा पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने का सशक्त अभियान है।उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों और संदेश को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

उनका कहना था कि मिशन-2027 की सफलता कार्यकताओं की मेहनत और जनता के विश्वास पर निर्भर करेगी।पदम सिंह जाटव ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी को जनादेश देगी और पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ खड़ी रही है और आगे भी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज-5.0 द्वितीय चरण के तहत थाना त्रिलोकपुर पुलिस ने रविवार को ग्राम वैनिया में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को एकत्रित कर महिला अपराध, साइबर अपराध एवं उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

साथ ही मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम के दौरान 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस, 101 अग्निशमन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं और नए कानूनों के बारे में भी जागरूक किया गया। इस मौके पर उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार पांडेय, हेड कांस्टेबल धनंजय दुबे, महिला आरक्षी कंचन सिंह एवं महिला आरक्षी मनीषा सिंह शामिल रहीं।

मंगल पांडे के बलिदान को बताया राष्ट्र की प्रेरणा, मोहित शर्मा प्रकरण में 20 लाख मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने अमर शहीद मंगल पांडे की जयंती पर जारी प्रेस बयान में उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बताते हुए कहा कि उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत का कोई भी नागरिक अमर शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकता प्रदेशाध्यक्ष ने एबीपी न्यूज की एक टीवी डिबेट के दौरान लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के एक सांसद द्वारा महात्मा गांधी सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर की गई कथित टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि किसी भी महापुरुष का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वाम चुग के शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा उन्हें जबरन हटाए जाने की भी आलोचना की।

उन्होंने इसे व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि सरकारों को आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। पार्टी ने सोनम वाम चुग की मांगों का समर्थन भी किया।

इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा पार्टी पदाधिकारियों के साथ हापुड़ के केशव नगर स्थित मोहित शर्मा के आवास पहुंचे और उनके पिता जितेंद्र शर्मा तथा भाई तरुण शर्मा से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही के कारण एक हंसता-खेलता परिवार बिखर गया।

साथ ही यह भी कहा कि गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया तथा मोहित शर्मा के अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को समय पर सूचना नहीं दी, जो अत्यंत गंभीर मामला है।

पंडित गोपाल शर्मा ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा मोहित शर्मा की पत्नी को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव एवं कोषाध्यक्ष पंडित आशीष शर्मा, मेरठ मंडल अध्यक्ष, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के आबिद सेफी, शकील अहमद, सुनील शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

'पहले आओ, पहले पाओ'

मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना के तहत किसानों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) के तहत जिले के किसानों को विभिन्न उद्यानिकी योजनाओं में अनुदान का लाभ देने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू कर दिया गया है।

यह योजना जिले के भनवापुर, मिठवल, बढ़नी और लोटन विकास खंडों में संचालित की जाएगी। जिला उद्यान अधिकारी विमल कान्त ने बताया कि योजना के अंतर्गत शंकर शाकभाजी, फल क्षेत्र विस्तार, घेरबाड़ एवं मशीनीकरण योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

इच्छुक किसान विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन की प्रति के साथ आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, पासपोर्ट आकार का फोटो तथा मोबाइल नंबर कार्यालय में जमा करेंगे। उन्होंने बताया कि योजनाओं का लाभ निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 'पहले आओ, पहले पाओ' के सिद्धांत पर दिया जाएगा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के किसानों के लिए जाति प्रमाणपत्र तथा सभी आवेदकों के लिए खतौनी की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। योजना का लाभ पाने के लिए किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण कर आवश्यक अभिलेख जमा करने होंगे।

हमारा लक्ष्य समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है : धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज राजपुर रोड स्थित एक निजी होटल में शाइन अवी लर्निंग 'समावेशी शिक्षा मिशन-2030' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष बच्चों के लिए विजुअल लर्निंग करिकुलम पर आधारित विभिन्न पुस्तकों एवं शिक्षण सामग्री का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा शाइन अवी लर्निंग की पहल शिक्षा को और अधिक सरल, प्रभावी और समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र एवं राज्य सरकार ने हमेशा शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की है। जिसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ाने के साथ समझने, सोचने, नवाचार और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने योग्य बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।

प्रदेश में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, पीएम श्री विद्यालय, अटल उत्कृष्ट विद्यालय, डिजिटल शिक्षण सामग्री और विज्ञान एवं नवाचार आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। समावेशी शिक्षा को हर बच्चे तक पहुँचाने के लिए सरकार ने विद्यालयों में रैम्प, रेलिंग, सुगम शौचालय, अनुकूलित फर्नीचर, स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लगभग 5,800 विशेष आवश्यकता वाले बच्चे विभिन्न स्तरों पर विद्यालयों में पंजीकृत हैं। सरकार द्वारा संचालित 11 विशेष विद्यालयों के माध्यम से 1,300 से अधिक बच्चों को विशेष शिक्षण एवं पुनर्वास संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रारम्भिक एवं माध्यमिक स्तर पर 300 से अधिक विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की है और शेष रिक्त पदों पर भी भर्ती प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है, जिससे राज्य का प्रत्येक बच्चा, अपनी पूर्ण क्षमता के साथ आगे बढ़ सके और नए भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सके। हमें अपने बच्चों को केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने शिक्षाविद श्रीमती अनीता शर्मा और शाइन अवी लर्निंग की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्रीमती अनीता ने विदेश से रिवर्स पलायन कर उत्तराखण्ड में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार किया है। यह कदम अन्य प्रवासियों के लिए भी एक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि बीते सालों में कई प्रवासियों ने अपने गांव - घर लौटकर काम करने की इच्छा जताई है और कई लोग ऐसा कर भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी ने अपनी विरासत को संरक्षित करना है और अपनी सभ्यता को आगे बढ़ाना है।

आवास एवं शहरी विकास विभाग ने रेलवे फ्रिज जोन में लागू 400 मीटर प्रतिबंध की समीक्षा प्रक्रिया शुरू की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर आवास एवं शहरी विकास विभाग ने रेलवे फ्रिज जोन में लागू 400 मीटर प्रतिबंध की समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस दिशा में आवास एवं शहरी विकास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने संबंधित जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह पता लगाना है कि किन क्षेत्रों में रेलवे ट्रैक और संबंधित निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है तथा वहां विकास गतिविधियों को चरणबद्ध तरीके से अनुमति दी जा सकती है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना देश की सबसे चुनौतीपूर्ण पर्वतीय रेल परियोजनाओं में शामिल है। परियोजना के निर्माण के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्तराखण्ड सरकार ने 9 जनवरी 2024 को रेलवे कॉरिडोर से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को फ्रीज जोन घोषित किया था। योगनगरी ऋषिकेश, शिवपुरी, व्यासी, सिराला, तिलवाड़ मल्ला, मलेथा, श्रीनगर, धारी देवी, तिलनी, घोलतीर और गौचर जैसे क्षेत्रों में रेलवे परियोजना की परिसीमा से 400 मीटर तक के दायरे में निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए गए थे। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि अनियंत्रित निर्माण कार्य रेलवे परियोजना की सुरक्षा, सुरंगों और अन्य तकनीकी ढांचों पर प्रतिकूल प्रभाव न डालें।

आवास एवं शहरी विकास सचिव ने कहा कि उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन पर आधारित है। विशेष रूप से गढ़वाल मंडल के वे क्षेत्र, जहां से रेल परियोजना गुजर रही है, धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ऐसे में फ्रीज जोन प्रतिबंधों की समीक्षा को स्थानीय विकास के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। सरकार के पास विभिन्न जिलों से लगातार सुझाव पहुंच रहे थे कि रेलवे ट्रैक का अधिकांश कार्य पूरा होने के बाद वर्तमान व्यवस्था अब विकास गतिविधियों में बाधा

बन रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए आवास विभाग ने जमीनी स्तर पर स्थिति का आकलन शुरू किया है।

उन्होंने बताया कि यदि तकनीकी परीक्षण और सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रतिबंधों में आंशिक शिथिलता दी जाती है, तो रेलवे कॉरिडोर के आसपास होटल, रिसॉर्ट, होमस्टे, आवासीय कॉलोनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के विकास का रास्ता खुल सकता है। इससे निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रेल संपर्क शुरू होने के बाद इन क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ऐसे में पर्यटन आधारित बुनियादी ढांचे का विकास समय की आवश्यकता भी है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना को उत्तराखण्ड की विकास यात्रा का गेम चेंजर माना जा रहा है। रेल संपर्क से जहां चारधाम यात्रा और पर्यटन को नई गति मिलेगी, वहीं इसके आसपास विकसित होने वाली आर्थिक गतिविधियां भी प्रदेश की तस्वीर बदल सकती हैं।

सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर रेलवे फ्रीज जोन में लागू प्रतिबंधों की समीक्षा की जा रही है। हमारा प्रयास है कि रेलवे सुरक्षा और तकनीकी मानकों से किसी प्रकार का समझौता किए बिना स्थानीय नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों को विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। जनहित और परियोजना हित दोनों को समान प्राथमिकता देते हुए व्यावहारिक समाधान तैयार किए जाएंगे।

जुलाई तथा अगस्त माह हेतु अतिरिक्त विद्युत केंद्रीय पूल से उपलब्ध कराने का अनुरोध

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय विद्युत एवं आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर उत्तराखण्ड की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं, चारधाम यात्रा एवं आगामी कांवड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए जुलाई माह हेतु 150 मेगावाट तथा अगस्त माह हेतु 200 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत केंद्रीय पूल से उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस दौरान राज्य की जलविद्युत एवं पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं को गति देने के लिए आगामी पाँच वर्षों में 7,800 करोड़ की सीएफए/वीजीएफ उपलब्ध कराने, उत्तराखण्ड को पूर्वोत्तर राज्यों की भांति पूंजीगत वित्तीय सहायता प्रदान करने तथा इन परियोजनाओं की आर्थिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। इसके साथ ही प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा एवं ग्रिड स्थिरता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 500 टहँ बीईएसएस परियोजना की स्वीकृत क्षमता को बढ़ाकर 665 MWh किए जाने तथा संशोधित क्षमता के अनुरूप वीजीएफ उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखण्ड के ऊर्जा क्षेत्र को सशक्त बनाने से जुड़े इन सभी विषयों पर सकारात्मक आश्वासन देने के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी का हृदय से आभार।

जमीन विवाद में राजस्व टीम के सामने आत्मदाह की कोशिश, पुलिस की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के गांव टिटौली में जमीन पर कब्जे के विवाद ने शनिवार को उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब भूमि स्वामी कांता प्रसाद गंगवार और जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार ने राजस्व टीम की मौजूदगी में खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की तत्परता से दोनों को सुरक्षित बचा लिया गया।

जमीन पर कब्जे को लेकर लंबे समय से चल रहा है विवाद

कांता प्रसाद गंगवार का आरोप है कि उनकी गाटा संख्या 232 की भूमि का एक हिस्सा सड़क निर्माण में चला गया था, जबकि शेष भूमि पर पड़ोसी पक्ष द्वारा कब्जा कर लिया गया।

उनका कहना है कि पिछले कई वर्षों से तहसील प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसी मामले में जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार भी उनकी ओर से लगातार पैरवी कर रही थीं।

पैमाइश के दौरान बढ़ा तनाव

शनिवार को तहसीलदार आशीष कुमार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम दोबारा मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे तक पैमाइश की। जब तत्काल कोई निष्कर्ष नहीं निकला और टीम लौटने लगी, तो नाराज कांता प्रसाद और ममता गंगवार ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। मौके पर मौजूद प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने तुरंत पेट्रोल की बोतल छीनकर दोनों पर पानी डलवाया, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया।

दोबारा हुई पैमाइश, धरना समाप्त

घटना के बाद दोनों ने मौके पर धरना शुरू कर दिया। इसके बाद राजस्व अधिकारियों ने दोबारा पैमाइश कर भूमि की निशानदेही की। कानूनगो ब्रजकिशोर कटियार और लेखपाल नवरत्न गंगवार ने कई घंटे की कार्रवाई के बाद संबंधित भूमि का सीमांकन पूरा किया।

पेड़ हटने के बाद दिलाया जाएगा कब्जा

तहसीलदार आशीष कुमार ने बताया कि राजस्व टीम ने भूमि का सीमांकन कर दिया है। खेत में खड़े पॉपुलर के पेड़ हटने के बाद नियमानुसार भूमि का कब्जा दिलाया जाएगा। प्रशासन के आश्वासन के बाद दोनों पक्ष शांत हुए और धरना समाप्त कर दिया।

हरियाणा से पश्चिम बंगाल जा रही स्मैक बनाने के केमिकल की बड़ी खेप बरेली में पकड़ी, चार तस्कर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बरेली इकाई ने स्मैक निर्माण में प्रयुक्त होने वाले 498.35 किलोग्राम एसिटिक एनहाइड्राइड (प्रिकर्सर केमिकल) के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह खेप हरियाणा के मेवात से लाई गई थी और बदायूं के रास्ते पश्चिम बंगाल पहुंचाई जानी थी। पुलिस ने दो वाहन, पांच मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद की है।

बदायूं के रास्ते पश्चिम बंगाल भेजी जानी थी खेप

एएनटीएफ प्रभारी विकास यादव के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वासिद (सहसवान, बदायूं), जोगेश सिंह और तेजपाल सिंह (अमरोहा) तथा अरुण कुमार (जोया, अमरोहा) के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी हरियाणा के मेवात से एसिटिक एनहाइड्राइड खरीदकर लाए थे। योजना के तहत इसे पिकअप वाहन से बदायूं पहुंचाकर वहां से पश्चिम बंगाल के तस्करों तक भेजा जाना था।

पूछताछ में सामने आए नेटवर्क के अहम सुराग

प्रारंभिक पूछताछ में जोगेश सिंह को गिरोह का मुख्य संचालक बताया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह लंबे समय से स्मैक बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रिकर्सर केमिकल की अवैध सप्लाई कर रहा था। इस कारोबार से होने वाले मुनाफे को सभी सदस्य आपस में बांटते थे। अब पुलिस पूरे नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

दो वाहन, मोबाइल और नकदी भी बरामद

कार्रवाई के दौरान एएनटीएफ ने 498.35 किलोग्राम एसिटिक एनहाइड्राइड, दो वाहन, पांच मोबाइल फोन और 1,080 रुपये नकद बरामद किए।

थाना शाही में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

नदी मे नहाने गये तीन भाई नदी मे डूबे स्थानीय गोताखोर कर रहे तलाश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रतापगढ़। जनपद कोतवाली क्षेत्र दो सगे व एक चचेरा भाई गर्मी से राहत पाने नदी मे नहाने गये जो अचानक गहरे पानी मे चले गये और कुछ देर बाद नदी मे डूब गये। विस्तृत सूचनानुसार सिटी कोतवाली क्षेत्र के अचलपुर सोनारी मोहल्ला निवासी तीन किशोर अमित सोनी(17), कृष्ण कुमार सोनी(14) अनुराग सोनी (13) स्थानीय नदी खीरीवीरी पुल के पास मे नहाने गये और डूबने लगे। नदी के उस पार मछली पकड रहे लोगो की निगाह डूब रहे बच्चो

पर पड़ी तो उन्होंने उन्हें बचाने के लिए हल्ला गुहार मचाया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी तीनों लड़के नदी के पानी में समा गए थे। खबर अनुसार नदी मे डूबे तीनो बच्चो मे दो सगे भाई और एक चचेरा भाई था। नदी मे डूबे तीनो बच्चो की तलाश मे स्थानीय गोताखोर और मल्लाह प्रयासरत है तथा मौके पर सीओ सिटी आशुतोष मिश्रा, नगर कोतवाल सुभाष यादव समेत भारी पुलिस बल व बडी सख्या मे भीड जुटी हुई है।

परिवेश में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका: छाजेड़

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बाड़मेर राजस्थान। थार नगरी, बाड़मेर को हरा-भरा बनाने को लेकर रविवार को जन कल्याण संस्थान बाड़मेर की ओर से अरिहन्त नगर परिसर में महिला बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी किशनलाल छाजेड़, तेरापथ धर्मसभा, बाड़मेर महामंत्री गौतम बोथरा एवं पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन की उपस्थिति में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान अलग-अलग किस्म के पौधे लगाए गए। पौधारोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया। सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने बताया कि थार नगरी, बाड़मेर को हरा-भरा बनाने के संकल्प को लेकर संस्थान द्वारा जन-सहयोग व भामाशाह के योग से निरन्तर पौधारोपण किया जा रहा है। जिस कड़ी में रविवार को अरिहन्त नगर परिसर में अलग-अलग किस्म के पौधे लगाए गए। उन्हें संरक्षित करने को लेकर ट्री-गार्ड लगाएं गए। अमन ने बताया कि एक घर एक पौधा अभियान में पिछले 08 वर्षों में अब तक बड़ी संख्या में पौधे लगाएं जा चुके है। महिला बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी किशनलाल छाजेड़ ने कहा कि प्रकृति में सन्तुलन बनाने, प्रदूषण सहित विभिन्न विकृतियों को समाप्त करने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण बहुत जरूरी है। छाजेड़ ने कहा कि हमारे परिवेश में पेड़-पौधों की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करने की जरूरत है। इस दौरान किशनलाल छाजेड़, तेरापंथ धर्मसभा, बाड़मेर महामंत्री गौतम बोथरा, मुकेश अमन, पुरूषोतम दास छाजेड़ आदि उपस्थित रहे।

'संघर्ष की कोख से निकली सफलता'

आगरा के दो सगे भाइयों ने पहली ही कोशिश में AIBE पास कर रचा इतिहास, बने अधिवक्ता

वेलकम इंडिया संवाददाता

आगरा। आगरा में सपने वही पूरे होते हैं, जिन्हें पूरा करने का जज्बा हो। आर्थिक तंगी, सीमित संसाधन और तमाम संघर्षों के बावजूद जनपद आगरा के टेड़ी बगिया निवासी सगे भाइयों मुनीष अल्वी और यूनिस अल्वी ने वह कर दिखाया, जो हर विधि स्नातक का सपना होता है। दोनों भाइयों ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (AIBE) पहली ही कोशिश में उत्तीर्ण कर अधिवक्ता (वकील) बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। सफलता की खबर सामने आते ही परिजनों, मित्रों, अधिवक्ताओं और शुभचिंतकों ने दोनों भाइयों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन देश के विधि स्नातकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक माना जाता है। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद ही अभ्यर्थी न्यायालयों में विधिक प्रैक्टिस करने के लिए पात्र होते हैं। इस वर्ष आयोजित परीक्षा में 1,75,701 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से करीब 1.15 लाख अभ्यर्थी सफल हुए। परीक्षा का कुल सफलता प्रतिशत लगभग 65 प्रतिशत रहा। ऐसे प्रतिस्पर्धी माहौल में पहली ही कोशिश में सफलता प्राप्त करना दोनों भाइयों की मेहनत, लगन और क्षमता का प्रमाण है। मुनीष अल्वी और यूनिस अल्वी की सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष छिपा है। दोनों भाइयों ने आर्थिक अभावों के बावजूद अपनी पढ़ाई को कभी बीच में नहीं छोड़ा। परिवार की परिस्थितियां आसान नहीं थीं, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया। दिन-रात की मेहनत, नियमित अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। उनका मानना है कि यदि व्यक्ति अपने उद्देश्य के प्रति ईमानदार रहे तो कोई भी कठिनाई उसे आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। दोनों भाइयों ने बताया कि वकालत उनके लिए केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम

है। उनका कहना है कि कानून काउद्देश्य केवल मुकदमे लड़ना नहीं, बल्कि समाज में न्याय और विश्वास को मजबूत करना भी है। इसी सोच के साथ उन्होंने अधिवक्ता बनने का सपना देखा और उसे साकार किया। सफलता के बाद मुनीष अल्वी और यूनिस अल्वी ने कहा, 'हमारा लक्ष्य केवल सफल वकील बनना नहीं है, बल्कि ऐसे अधिवक्ता बनना है जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का प्रयास करें। गरीब, कमजोर, शोषित और जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता होगी। जिन लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं और जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, उन्हें यथासंभव निःशुल्क कानूनी सहायता देकर न्यायालय में उनका पक्ष मजबूती से रखा जाएगा। हम सच्चाई और संविधान के सिद्धांतों के साथ खड़े रहेंगे तथा न्याय की लड़ाई पूरी निष्ठा और ईमानदारी से लड़ेंगे।'

दोनों भाइयों ने कहा कि आज समाज में कई ऐसे लोग हैं जो कानूनी जानकारी के अभाव या आर्थिक कमजोरी के कारण अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों तक न्याय पहुंचाना उनका सामाजिक दायित्व होगा। उनका विश्वास है कि एक अधिवक्ता केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ भी होता है। मुनीष अल्वी और यूनिस अल्वी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, परिवार के सदस्यों और उन सभी लोगों को दिया जिन्होंने हर कठिन समय में उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि परिवार का विश्वास और शिक्षकों का मार्गदर्शन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा। कठिन परिस्थितियों में भी परिवार ने कभी उनका हौसला टूटने नहीं दिया, जिसके कारण वे अपने लक्ष्य पर लगातार आगे बढ़ते रहे। दोनों भाइयों की इस उपलब्धि पर अधिवक्ताओं, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।लोगों का कहना है कि यह सफलता उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो आर्थिक अभावों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यदि लगन, मेहनत और आत्मविश्वास हो तो सफलता अवश्य मिलती है। टेड़ी बगिया क्षेत्र के लोगों ने भी दोनों भाइयों की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि मुनीष अल्वी और यूनिस अल्वी ने पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी और युवाओं में शिक्षा तथा मेहनत के प्रति विश्वास को और मजबूत करेगी। मुनीष अल्वी और यूनिस अल्वी की यह सफलता केवल एक परीक्षा पास करने की कहानी नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, आत्मविश्वास, परिवार के सहयोग और मजबूत इरादों की ऐसी मिसाल है, जो यह संदेश देती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। अब दोनों भाई अधिवक्ता के रूप में न्याय व्यवस्था का हिस्सा बनकर समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों की आवाज बनने का संकल्प लेकर अपने नए सफर की शुरूआत करने जा रहे हैं।

कांग्रेस 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी

जिला कार्यालय पर संगठन मजबूती को लेकर हुई बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। खलीलाबाद स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर रविवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक दोपहर दो से चार बजे तक जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय की अध्यक्षता में हुई। इसका मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करना था। बैठक में जिला पदाधिकारियों, फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षों और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान संगठन विस्तार, बूथ समितियों के गठन, कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय ने बताया कि कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में संगठन निर्माण का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, और शेष कार्य इस माह के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि मजबूत संगठन के दम पर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को विजय दिलाने के लिए पार्टी पूरी ताकत से मैदान में उतरेगी। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने की बात भी कही। जिलाध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश और केंद्र सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र-युवाओं के मुद्दों की अनदेखी की जा रही है और जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन भाजपा को सत्ता से बाहर करेगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष मो. नजीर, सुनील कुमार पांडेय, अरुण पांडेय, शांति देवी, दयाशंकर चौधरी, अजय सिंह, फैजान खान, चंद्रमणि त्रिपाठी, अंबिका पांडेय, अतीक सिद्दीकी, रियाज आलम, परवेज अख्तर, अशोक आर्य, जय प्रकाश पांडेय, रमेश चौधरी, निसार अहमद, अयाजुल हक, अखिलेश शर्मा, जमशेद, सतीश, सोहन निषाद, महेश कुमार, मो. अकरम, पन्ने लाल यादव, देवेंद्र कुमार, रमेश चौधरी, सुग्रीव पासवान, पिंटू सिंह, दुर्गेश पाठक, गुड्डू उपाध्याय, जय प्रकाश आचार्य, अबरार अहमद, रवि राय, रामाश्रय यादव, संतोष पांडेय, रामबृक्ष, आनंद कुमार आचार्य, सत्या त्रिपाठी, मो. रशीद, मंजू त्रिपाठी, मनभावती सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्लाक प्रमुख के सहयोग व ग्राम प्रधान की देखरेख में हुआ सड़क का निर्माण कार्य

राहगीरो को नहीं झेलनी पड़ेगी दिक्कत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खण्ड सेमरियावा गांव के दुधारा की मुख्य सड़क जो कि वर्षों से बदहाली का शिकार थी कई ग्राम प्रधान हुए लेकिन इस सड़क की दुर्दशा पर कोई ध्यान नहीं दिया। ग्राम प्रधान अब्दुल कलाम की पहल पर ब्लाक प्रमुख मुमताज अहमद ने छेदी के घर से पूर्व प्रधान कर्रार हुसैन के घर तक का सीसी निर्माण कार्य प्रधान अब्दुल कलाम की देखरेख में कराया जो कि अब पूर्ण हो चुका हैं। इससे वर्षों से आवागमन की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को परेशानी से निजात मिल गई है। इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान अब्दुल कलाम ने मीडिया से बातचीत में बताया कि गांव की लगभग सभी सड़कों का निर्माण कार्य कराया गया है।

गांव के विकास के पटल पर आगे किया गया है। गांव की जनता ने जिन उम्मीदों के साथ मुझे जिम्मेदारी दी थी उसे भरसक निभाया। जिला पंचायत के सहयोग से हाजी अब्दुल गनी के घर से पुरवा तक नाला निर्माण कार्य सहित कई विकास कार्य कराये हैं। दुबारा मौका मिला तो गांव आदर्श गांव बनायेंगे। ग्रामीण मोहम्मद हुसैन, परवेज अख्तर, हाफिज अब्दुल्लाह अतहर हुसेन, हीरालाल, महफूजुर्रहमान आदि ने इस सड़क के निर्माण कार्य कराये जाने पर ग्राम प्रधान व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि का आभार जताया है।

परिवार न्यायालय परिसर में युवक से मारपीट का आरोप, एसीपी कैंट से निष्पक्ष जांच व कार्यवाही की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। परिवार न्यायालय परिसर में एक युवक के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है गड़खरा थाना सिंधौरा निवासी अखण्ड प्रताप उपाध्याय ने सहायक पुलिस आयुक्त कैण्ट सर्किल को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि 16 जुलाई 2026 को परिवार न्यायालय में तारीख पर पहुंचने के दौरान अर्चना मिश्रा एवं उसके साथ मौजूद कुछ अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट की। शिकायत के अनुसार आरोप है कि अर्चना मिश्रा ने थप्पड़ और मुक्कों से हमला किया जिससे उन्हें गले, चेहरे और पीठ पर गंभीर अंदरूनी चोटें आईं उनका कहना है कि मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं के हस्तक्षेप से उनकी जान बच सकी।

प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। पीड़ित ने आशंका जताई है कि विपक्षी उनके तथा उनके परिवार के साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना कर सकती है। पीड़ित ने सहायक पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

108वें उर्स-ए-रजवी की तैयारियां अंतिम चरण में, 6 अगस्त को परचम कुशाई के साथ होगा आगाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। दरगाह आला हजरत में आयोजित होने वाले 108वें तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी की तैयारियां तेज हो गई हैं। रविवार को दरगाह प्रशासन ने उर्स का आधिकारिक पोस्टर जारी करते हुए कार्यक्रमों की रूपरेखा सार्वजनिक की। इस वर्ष भी देश-विदेश से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों और जायरीन के शामिल होने की संभावना है।

6 अगस्त को होगी परचम कुशाई की रस्म

दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी के अनुसार, 6 अगस्त शाम 5 बजे इस्लामिया मैदान स्थित रजा गेट पर दरगाह प्रमुख हजरत मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां), सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) और देश-विदेश से आए उलेमा की मौजूदगी में रजवी परचम फहराकर उर्स का विधिवत शुभारंभ करेंगे। इसी के साथ तीन दिवसीय उर्स का औपचारिक आगाज होगा।

उर्दू और अंग्रेजी में जारी हुआ आधिकारिक पोस्टर

दरगाह मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सुब्हानी मियां और मुफ्ती अहसन मियां ने उर्स का पोस्टर जारी किया। पोस्टर उर्दू और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित किया गया है, जिसे डाक और सोशल मीडिया के माध्यम से देश-विदेश में मौजूद अकीदतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। पोस्टर में सुब्हानी मियां का विशेष संदेश भी शामिल किया गया है।

नातिया मुशायरा और कुल शरीफ होंगे प्रमुख आकर्षण

उर्स के पहले दिन इस्लामिया मैदान में अंतरराष्ट्रीय नातिया मुशायरे का आयोजन होगा, जिसमें भारत सहित विभिन्न देशों के प्रसिद्ध शायर अपने कलाम पेश करेंगे। वहीं 8 अगस्त दोपहर 2:38 बजे आला हजरत के कुल शरीफ के साथ उर्स का समापन होगा। इस दौरान हुज्जातुल इस्लाम, मुफ्ती-ए-आजम हिन्द और रेहान-ए-मिल्लत के कुल शरीफ की रस्में भी अदा की जाएंगी।

जायरीन की सेवा में रहेंगे वालंटियर्स

मुफ्ती अहसन मियां ने बताया कि उर्स के दौरान टीटीएस के वालंटियर्स शहर के विभिन्न स्थानों पर जायरीन की सहायता, मार्गदर्शन और व्यवस्थाओं में सहयोग करेंगे। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों से समय पर अपनी जिम्मेदारियां निभाने का आह्वान किया। उर्स के सभी कार्यक्रम दरगाह प्रमुख सुब्हानी मियां की सरपरस्ती, मुफ्ती अहसन मियां की सदारत और सैय्यद आसिफ मियां की देखरेख में आयोजित किए जाएंगे।

आईसीएआई वाराणसी शाखा की खेल प्रतियोगिता संपन्न, शतरंज, टेबल टेनिस व कैरम में विजेताओं का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा सदस्यों में खेलों के प्रति रुचि, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शतरंज, टेबल टेनिस एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन आईसीएआई भवन, प्लॉट नम्बर 2बी, प्रेमचंद नगर कॉलोनी पांडेयपुर वाराणसी में किया जिसमे 100 से अधिक सीए एवं सीए छात्र छात्राओं ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं सीए सदस्यों के स्वागत भाषण द्वारा किया। शतरंज प्रतियोगिता में सीए सदस्यों प्रथम स्थान पर सीए अजीत कुमार पटेल एवं द्वितीय स्थान पर सीए सुकान्त राय रहें और टेबल टेनिस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीए मुहम्मद शकील एवं द्वितीय स्थान पर सीए सुकान्त राय को विजेता चुना गया। केरम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीए रंजीत कुमार पांडेय एवं द्वितीय स्थान पर सीए अमित कुमार विश्वकर्मा को विजेता चुना गया। कार्यक्रम का समापन शाखा सचिव सीए रंजीत कुमार पांडेय के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। कार्यक्रम में शाखा के उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी, शाखा कोषाध्यक्ष एवं सिकासा अध्यक्ष सीए नमन कपूर एवं सीए द्विजेन्द्र कुमार सिंह सीए मयूख दवे सीए मोहम्मद जैद सीए समृद्ध एवं सीए मलय विशंभर की भी उपस्तिथि रही।

रामपथ-कृष्णपथ की अपील पर उठी बहस, डॉ. सुनील कुमार ने आध्यात्मिक व्यवस्था पर रखे विचार

डॉ. सुनील कुमार बोले– समाज का हर वर्ग अपनी आध्यात्मिक परंपरा के अनुरूप चले तो सामाजिक घर्षण कम हो सकता है

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। एक आध्यात्मिक वक्तव्य जारी करते हुए वक्ता ने वर्तमान समय को 'आदित्य युग' बताते हुए दावा किया कि कल्कि भगवान की आध्यात्मिक चेतना सक्रिय है और मानव चेतना के जागरण का कार्य चल रहा है।

वक्तव्य में कहा गया कि सनातन समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग आध्यात्मिक मार्ग निर्धारित हैं तथा यादव एवं अन्य चंद्रवंशी क्षत्रियों के लिए 'रामपथ' और सूर्यवंशी क्षत्रियों (राजपूतों) के लिए 'कृष्णपथ' का अनुसरण करने की बात कही गई।

वक्तव्य में आरोप लगाया गया कि वर्तमान धार्मिक व्यवस्था में मूल आध्यात्मिक सिद्धांतों से विचलन हुआ है और कुछ धार्मिक परंपराओं एवं व्यवस्थाओं की आलोचना भी की गई।

साथ ही गुरु परंपरा, कृपाचार्य, द्रोणाचार्य तथा विभिन्न धार्मिक मान्यताओं को लेकर अपने विचार व्यक्त किए गए। जारी वक्तव्य में दावा किया गया कि वर्तमान समय में त्रेता और द्वापर युग की व्यवस्थाओं को उलटकर प्रस्तुत किया जा रहा है जिससे सामाजिक असंतुलन उत्पन्न होने की आशंका है।

इसके समर्थन में श्रीकृष्ण और भगवान राम से जुड़े विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख किया गया। वक्तव्य के अंत में आमजन से कई धार्मिक अपीलें भी की गईं जिनमें तुलसी के सेवन, वृंदावन यात्रा, वैजयंती माला के प्रयोग, भगवान शिव को विषैली वस्तुएं अर्पित न करने तथा ब्रह्मा, सरस्वती संबंधी मान्यताओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए।

समाजसेवी अवध ठकुराई की निःशुल्क बस सेवा बनी हजारों लोगों का सहारा

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। तमकुहीराज विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए समाजसेवी अवध ठकुराई की पहल किसी बड़ी राहत से कम नहीं है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन (1 जुलाई) के अवसर पर जनसेवा का संकल्प लेते हुए अहिरौली दान से जिला मुख्यालय तक प्रतिदिन निःशुल्क बस सेवा की शुरूआत की थी। यह सेवा लगातार संचालित हो रही है और बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठा रहे हैं।

तमकुहीराज विधानसभा क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात

यह निःशुल्क बस सेवा विशेष रूप से विद्यार्थियों, मरीजों, महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों, मजदूरों तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। जिला मुख्यालय तक आने-जाने में लगने वाला किराया बचने से लोगों को आर्थिक राहत मिल रही है, वहीं समय पर अपने आवश्यक कार्य भी पूरे कर पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में इस प्रकार की जनहितकारी पहल बहुत कम देखने को मिलती है। लोगों का मानना है कि इस सेवा से दूर-दराज के गांवों के निवासियों को जिला मुख्यालय तक पहुंचने में काफी सुविधा मिली है। कई यात्रियों ने इस पहल को समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। समाजसेवी अवध ठकुराई ने कहा कि जनसेवा ही उनका उद्देश्य है और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए वे आगे भी ऐसे प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह बस सेवा बिना किसी शुल्क के आम जनता के लिए उपलब्ध है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। क्षेत्र में इस पहल की व्यापक चर्चा है और विभिन्न वर्गों के लोग इसकी सराहना कर रहे हैं। आम नागरिकों का कहना है कि यदि ऐसी जनकल्याणकारी पहलें लगातार होती रहें, तो आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।

धोबी समाज की प्रमुख मांगों पर जल्द होगी कार्रवाई, मंत्री आशीष सूद को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली धोबी सभा (रजि.) के प्रदेश अध्यक्ष रामनाथ बिट्टू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली सरकार के शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री आशीष सूद से शिष्टाचार भेंट कर धोबी समाज की विभिन्न लंबित समस्याओं एवं मांगों के संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने समाज के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए सरकार से सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया।

ज्ञापन में धोबी घाटों एवं पक्के प्रेस थड़ों की बिजली दरों को कमर्शियल के स्थान पर डोमेस्टिक श्रेणी में लागू करने, वर्षों पूर्व निर्मित पक्के प्रेस थड़ों का शीघ्र आवंटन सुनिश्चित करने, धोबी समाज के समग्र विकास के लिए पृथक बजट का प्रावधान करने तथा दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में पायलट परियोजना के तहत नए पक्के प्रेस थड़ों के निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

मंत्री आशीष सूद ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि समाज से जुड़े लंबित मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से पक्के प्रेस थड़ों के लंबित आवंटन तथा धोबी समाज के विकास से संबंधित योजनाओं पर शीघ्र निर्णय लेने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ कराई।

धोबी सभा के प्रदेश अध्यक्ष रामनाथ बिट्टू ने कहा कि धोबी समाज लंबे समय से अपनी मूलभूत समस्याओं के समाधान की प्रतीक्षा कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली सरकार के सकारात्मक सहयोग से समाज की वर्षों पुरानी मांगों का शीघ्र समाधान होगा, जिससे हजारों परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर दिल्ली धोबी सभा के प्रदेश संरक्षक अशोक तंवर, प्रदेश संगठन मंत्री किशन सिसोदिया, पश्चिमी जिला चेयरमैन हरिकिशन थूनीया, जनकपुरी विधानसभा अध्यक्ष विश्राम कसोटिया तथा जनकपुरी विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष सोनू मलिक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संपर्क, संवाद और संघर्ष के द्वारा ही सुरक्षित रह सकता है पत्रकारों का सम्मान: डा नरेश पाल सिंह

वेलकम इंडिया ब्यूरो

रामपुर। रामपुर सॅपर्क सॅवाद एवम संघर्ष के माध्यम से हम पत्रकारो के सम्मान की रक्षा के लिये हम निरॅतर सॅगठन की शक्ति बढाते जा रहे है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव (सॅगठन) एवम राष्ट्रीय स्तर पर तीन प्रदेशो के प्रभारी डा नरेश पाल सिंह ने पत्रकारो को संबोधित करते हुये कहा कि अब ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन देश का सबसे बडा पत्रकार सॅगठन बन चुका है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन रामपुर के द्वारा 'एक शाम पत्रकारों के नाम' कार्यक्रम किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा एडवोकेट तथा संचालन सुरेन्द्र कुमार यादव ने किया। सर्वप्रथम मंचसीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए गए। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री (संगठन) एवं प्रभारी मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड डॉ नरेश पाल सिंह ने कहा कि संगठन का जन्म सन 1982 में बलिया जिले के गढ़वार कस्बे में सात लोगों की उपस्थिति में हुआ। 1986 में संगठन के रजिस्ट्रेशन के साथ ही लखनऊ में सैकड़ो ग्रामीण पत्रकारों का सम्मेलन संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रारंभ में दूर-दूर तक विस्तार करने के लिए संगठन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल जी ने पोस्टकार्ड को अपना माध्यम बनाया और पोस्टकार्ड के जरिए ही पूरे प्रदेश में संगठन का विस्तार किया। हम सभी पत्रकारों को अपनी मयार्दा में रहते हुए अपनी लेखनी के द्वारा सत्य, सटीकता एवं निष्पक्षता के साथ समाचार लिखना चाहिए। आज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा दिए गये संपर्क, संवाद और संघर्ष के तीन सूत्रीय मार्ग पर चलकर राष्ट्र के 11 प्रदेशों में संगठन का गठन हुआ। उन्होंने कहा कि तीन सूत्रीय फॉमूर्ले से ही पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी दी जा सकती है। हमें अपने संगठन के द्वारा दिए गए कार्यक्रमों को भी अपनाना चाहिए। विशिष्ट तिथि डॉ बी सी सक्सेना ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है जिस संगठन में शक्ति होती है वह उसे और अपने राष्ट्र को प्रगति के लिएपरम वैभव पर ले जाता है। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए हमें अपने देश की बनी वस्तु को अपनाना चाहिए जिससे उस वस्तु की मूल्य से मिला लाभ देश की प्रगति में सहायक सिद्ध हो सके। इंपैक्ट इंस्टीट्यूट के स्वामी डा सुल्तान सैफी ने कहा कि हम सबको संगठन के साथ ही चलना चाहिए ताकि पत्रकारों के खिलाफ प्रशासन द्वारा अनुचित कार्यवाही होने पर इनका मुकाबला किया जा सके। अब्दुल सलाम, वीरेन्द्र सक्सेना, दुर्गेश कुमार., हरिशंकर कश्यप, राजकुमार शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा एडवोकेट ने कहा कि हम सबको संगठन की उन्नति के लिए एक जुट होकर काम करना पड़ेगा जिससे भविष्य में यदि पत्रकारों पर कोई किसी तरह का अनुचित करवाई होती है मुकाबला कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसी भीषण बरसात में भी जिला रामपुर के कोने-कोने से आए पत्रकारों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपना अभूतपूर्व सहयोग दिया है उन्होंने कार्यकताओं से अपेक्षा की है कि सभी कार्यकर्ता इसी प्रकार से एकजुट होकर संगठन का सहयोग करते रहेंगे तो संगठन निश्चित रूप से प्रगति के ऊंचाइयों को छूएगा। इस मौके पर सैकड़ो की संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए सभी का अंतर्मन की गहराइयों से स्वागत और अभिनंदन किया सभी पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया और मंचासीन अतिथियों को प्रतीक चिन्ह एवं शाल देकर सम्मानित किया गया।

नाले में अज्ञात युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी/बुलंदशहर। जनपद के थाना नरसेना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में रविवार को नाले में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना नरसेना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक को शनिवार शाम घटनास्थल के आसपास शराब के नशे की हालत में देखा गया था।

पुलिस को घटनास्थल के पास से दो नमकीन के पैकेट और एक जोड़ी चप्पल भी बरामद हुई है, जिन्हें जांच के लिए कब्जे में लिया गया है।

फिलहाल पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने और उसकी मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

शिकारपुर में महिला कांग्रेस का सम्मेलन, 21 जुलाई के संसद घेराव में बड़ी भागीदारी का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर(बुलंदशहर)। महिला कांग्रेस की ओर से शिकारपुर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को शीघ्र लागू किए जाने की मांग को लेकर एक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी, आरक्षण और उनके अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का आयोजन महिला कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री अर्चना पांडा के नेतृत्व में हुआ, जबकि अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान एडवोकेट ने की। मुख्य अतिथि के रूप में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष भारती त्यागी और राष्ट्रीय संयोजक ज्योत्सना गोगिया शामिल हुईं।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए

भारती त्यागी और ज्योत्सना गोगिया ने कहा कि संसद से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को तत्काल लागू किया जाना चाहिए, ताकि महिलाओं को राजनीति में उनका उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के अधिकार, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है।

इस दौरान महिला कांग्रेस

पदाधिकारियों और कार्यकताओं से 21 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित संसद घेराव कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया।

जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान एडवोकेट ने कहा कि महिलाओं की आवाज बुलंद करने और नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कराने के लिए यह आंदोलन महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है तथा वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देकर ऐतिहासिक पहल की गई थी। महिला कांग्रेस नेत्री अर्चना पांडा ने कहा कि वह गांव-गांव जाकर महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ने का अभियान चलाएंगी और उनके अधिकारों की आवाज मजबूती से उठाएंगी। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश अध्यक्ष भारती त्यागी और राष्ट्रीय संयोजक ज्योत्सना गोगिया ने महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष गांधी, जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, जिला कॉर्डिनेटर राजकुमार पंडित, भजनलाल विमल, सचिन वशिष्ठ, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुरेंद्र उपाध्याय, युधिष्ठिर शर्मा, अखिल पठान, ममता, निशा, पूजा, चंचल, विशाखा, सीमा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं।

वांछित अभियुक्त महाराष्ट्र से किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। कोतवाली स्याना पुलिस टीम द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त निसार चुन्दू शाह पुत्र बुन्दू शाह निवासी खांण्डा थाना क्षेत्र नेरल जनपद रायगढ़ (महाराष्ट्र) को जनपद थाणे (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि अभियुक्त शातिर किस्म का लुटेरा/चोर है, जो घटना कर अपना नाम व पहचान व निवास स्थान बदलता रहता है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध थाना स्याना जनपद बुलंदशहर, जनपद आगरा व अन्य जनपदों/राज्यों में लूट व चोरी की घटनाएं कारित करने के सम्बन्ध में 10 अभियोग पंजीकृत हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के सम्बन्ध में थाना स्याना से आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई है। वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामनारायन सिंह, कस्बा चौकी इंचार्ज/उपनिरीक्षक मनीष यादव, हैड कांस्टेबल हाशिम अली, सिपाही गण राजवीर सिंह, विपिन बालियान तथा संदीप कुमार सम्मिलित रहे।

टीईटी अनिवार्यता खत्म करने को शिक्षकों ने सांसद जगदंबिका पाल को सौंपा ज्ञापन, सेवा सुरक्षा का मिला भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सांसद जगदंबिका पाल से उनके आवास पर मुलाकात की इस दौरान उन्होंने शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता को समाप्त करने की पुरजोर मांग उठाई। संगठन ने इस संबंध में सांसद को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद 'एनसीटीई' की 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना और शिक्षा का अधिकार 'आरटीई' अधिनियम में आवश्यक संशोधन कराने का आग्रह किया गया। सांसद को सौंपे गए ज्ञापन में 'द गजट ऑफ इंडिया' के सेक्शन-23 का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। इसके तहत मांग की गई है कि कानून लागू होने से पहले से सेवा में कार्यरत शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता कतई लागू नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही

प्रतिनिधिमंडल ने 10 अगस्त 2017 को हुए संशोधन का भी हवाला देकर अपनी बात रखी। शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि शिक्षकों की सेवा सुरक्षा एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। उन्होंने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय से जो भी विसंगतियां पैदा हुई हैं, उन्हें दूर कराने के लिए वह संसद के भीतर और बाहर हर संभव लड़ाई लड़ेंगे। टीएफआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि सांसद जगदंबिका पाल हमेशा से शिक्षक हितों के पक्षधर रहे हैं। संगठन को पूरा भरोसा है कि उनके प्रयासों से साल 2010 से पहले नियुक्त हुए शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से बड़ी राहत मिलेगी।

इस मुलाकात के दौरान सांसद ने संगठन के जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार के पुत्र आनंद कुमार को नीट परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने पर सम्मानित किया। इस अवसर पर संगठन के जिला, ब्लॉक और संघर्ष समिति के तमाम प्रमुख पदाधिकारी और शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की 125 विधानसभा सीटों पर ब्राह्मण और माझी, बिंद, निषाद मतदाता निभाते हैं निर्णायक भूमिका - रघु मिश्रा

'हम' पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने मुख्यमंत्री को भेजी विस्तृत रिपोर्ट, जमीनी आंकड़ों के साथ संगठन ने कसी कमर

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं इसी क्रम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रमुख घटक दल 'हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर)' 'हम' ने उत्तर प्रदेश में अपनी सांगठनिक ताकत और चुनावी तैयारियों से विरोधियों के खेमे में हलचल पैदा कर दी है। 'हम' पार्टी के उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा के नेतृत्व में संगठन ने प्रदेश की राजनीति को नया मोड़ देने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अभेद्य राजनैतिक खाका तैयार किया है।

125 सीटों का अचूक समीकरण और

मुख्यमंत्री को भेजी रिपोर्ट

सांगठनिक आंकड़ों और गहन विश्लेषण के बाद यह तथ्य सामने आया है कि उत्तर प्रदेश की कुल 125 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहाँ ब्राह्मण, माझी, बिंद और निषाद समाज के मतदाता पूरी तरह से निर्णायक भूमिका में हैं यह वो सीटें हैं जहाँ इस संयुक्त सामाजिक शक्ति का वोट बैंक किसी भी दल की हार और जीत तय करता है।

'हम' पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने इस पूरे समीकरण, मतों के प्रतिशत और जमीनी हकीकत की एक अत्यंत विस्तृत और गोपनीय रिपोर्ट सूबे के मुख्यमंत्री को भी प्रेषित कर दी है जिससे गठबंधन की चुनावी राह को पूरी तरह निष्कंटक बनाया जा सके।

ज्ञान और पतवार का मेल, 'हम' की भरपूर तैयारी

राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि 'हम' पार्टी में माझी-बिंद-निषाद (गंगापुत्र) समाज के पारंपरिक मजबूत आधार के साथ ब्राह्मण चेहरे (प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा) के नेतृत्व का यह संगम उत्तर प्रदेश की राजनीति में गेमचेंजर साबित होने जा रहा है।

यह 'ज्ञान और पतवार' का ऐसा बेजोड़ मेल है जिसके दम पर संगठन गांव -गांव और बूथ-बूथ तक अपनी पैठ मजबूत कर चुका है। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व का साफ कहना है कि उनका संगठन केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर पूरी ताकत से काम कर रहा है। उत्तर प्रदेश की सभी लक्षित सीटों पर प्रभारियों की नियुक्ति, बूथ कमेटियों का गठन और जनसंपर्क अभियान तीव्र गति से चल रहा है जिससे साफ है कि पार्टी की चुनावी तैयारी बेहद भरपूर और अभेद्य है।

एनडीए सरकार बनाने के लिए लगाएंगे पूरी ताकत

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि 'हम' पार्टी पूरी निष्ठा और शक्ति के साथ एनडीए गठबंधन में शामिल है। हमारा एकमात्र लक्ष्य 2027 में उत्तर प्रदेश में पुनः प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनाना है। ब्राह्मण, माझी, बिंद और निषाद समाज का यह मजबूत गठजोड़ इस बार यूपी की सत्ता की चाबी बनेगा। हमारे कार्यकर्ता दिन-रात खून-पसीना एक कर रहे हैं और 'हम' के मजबूत सहयोग से ही प्रदेश में अगली एनडीए सरकार का गठन होगा।

इस अभेद्य राजनैतिक और सांगठनिक घेराबंदी से साफ है कि आगामी चुनाव में 'हम' पार्टी उत्तर प्रदेश के चुनावी समर में एक निर्णायक शक्ति बनकर उभरने जा रही है।

पिता की हत्या का आरोपी बेटा गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त फावड़ा बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने पिता की हत्या के आरोपी पुत्र को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, आवास विकास कॉलोनी निवासी योगेन्द्र कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोप है कि 18 जुलाई 2026 को देवीपुरा प्रथम निवासी पुष्पेन्द्र उर्फ कालू ने अपने पिता रामप्रताप लोधी की सोते समय फावड़े से वार कर हत्या कर दी थी। इस संबंध में थाना कोतवाली नगर में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

मामले की जांच के दौरान थाना कोतवाली नगर पुलिस ने रविवार, 19 जुलाई 2026 को आरोपी पुष्पेन्द्र उर्फ कालू को काली नदी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक सुजीत कुमार उपाध्याय, उपनिरीक्षक अजीत सिंह, हेड कांस्टेबल नीटू कुमार एवं कांस्टेबल पवन कुमार की टीम शामिल रही।

पोखर की खुदाई में मिली प्राचीन शिवलिंग, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ पूजा अर्चना हुई शुरू

बच्चों की सजगता से हुआ खुलासा, पूजा-अर्चना शुरू, मंदिर निर्माण की उठी मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। शिकारपुर नगर के मौहल्ला मुफ्तीवाड़ा (वार्ड नंबर-10) स्थित दौज वाली पोखर के सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान रविवार को एक प्राचीन शिवलिंग मिलने से क्षेत्र में आस्था और उत्साह का माहौल बन गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौके पर पहुंच गए और भगवान भोलेनाथ के जयकारों के बीच पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह कुछ बच्चे पोखर के पास खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें मिट्टी में उभरा हुआ एक हिस्सा दिखाई दिया। पहले बच्चों ने उसे कछुआ समझा, लेकिन पास जाकर देखने पर उन्हें कुछ अलग महसूस हुआ।

इसके बाद बच्चों ने मिट्टी हटानी शुरू की। फावड़े से खुदाई करने पर नीचे पत्थर जैसी आकृति दिखाई दी, जिसे पूरी तरह निकालने पर वह शिवलिंग निकली। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुदाई के दौरान फावड़ा लगने के बावजूद शिवलिंग पर कोई निशान नहीं आया। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि इसी क्षेत्र में जल निकासी के लिए गड्ढा खोदते समय शंख भी मिले हैं। शिवलिंग और शंख एक साथ मिलने की चर्चा पूरे नगर में हो रही है। श्रद्धालु इसे भगवान भोलेनाथ की कृपा मान रहे हैं और यहां भव्य शिव मंदिर के निर्माण की मांग कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही वार्ड सभासद कपिल कुमार आर्य एवं चेयरपर्सन राजबाला सैनी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों के सहयोग से शिवलिंग के चारों ओर ईंट और सीमेंट से अस्थायी सुरक्षा घेरा बनवाया, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित ढंग से दर्शन और पूजा कर सकें।

मौके पर पुलिस भी पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु जल, दूध और बेलपत्र लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। यह घटना पूरे शिकारपुर क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। हालांकि शिवलिंग के 'प्राचीन' होने तथा उसके ऐतिहासिक महत्व की आधिकारिक पुष्टि अभी संबंधित प्रशासन या पुरातत्व विभाग द्वारा नहीं की गई है।

भूजल सप्ताह 2026: औद्योगिक इकाइयों को भूजल ऑडिट कराने पर दिया गया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भूजल सप्ताह-2026 के चतुर्थ दिवस के अवसर पर शनिवार को जनपद के अतिदोहित विकासखंड सिकंदराबाद स्थित कोठारी फर्मेंटेशन में 'भूजल संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों को भूजल संसाधनों के संरक्षण एवं उनके विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में नोडल अधिकारी राहुल देव शर्मा ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं में विभिन्न नवाचार अपनाकर भूजल की मांग को न्यूनतम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 100 किलोलीटर से अधिक भूजल दोहन करने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए प्रतिवर्ष भूजल ऑडिट कराना अनिवार्य है। साथ ही ऑडिट में सुझाए गए उपायों को प्रभावी रूप से लागू करने पर भी विशेष जोर दिया।

संस्था के प्रतिनिधि रजत राही ने कहा कि कोठारी फर्मेंटेशन भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि संस्था परंपरागत जलाशयों के जीर्णोद्धार सहित विभिन्न नवाचारों के माध्यम से भूजल संरक्षण की दिशा में कार्य कर रही है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने भूजल संरक्षण की शपथ ली और जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

मंगल पांडे की जयंती पर 596वाँ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित, 25 युवाओं ने किया रक्तदान

नशे की सुई को न- रक्तदान की सुई को- हाँ, ताकि स्वस्थ रहें आप- कट जाएँ संताप

वेलकम इंडिया संवाददाता

करनाल। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक एवं महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय रक्त संचरण केंद्र, नागरिक अस्पताल, करनाल में राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा के संयोजन में 596वाँ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी, करनाल रोहतास वर्मा उपस्थित रहे, जबकि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, करनाल के सचिव कुलबीर

सिंह मलिक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। क्षेत्रीय रक्त संचरण केंद्र के प्रभारी डॉ. संजय वर्मा के नेतृत्व में रक्त संग्रहण का कार्य संपन्न हुआ। समाजसेवी नरेश मेहता एवं पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी चरंजी लाल वर्मा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री रोहतास वर्मा ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। प्रत्येक स्वस्थ नागरिक को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान कर सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलबीर सिंह मलिक ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है। केवल स्वस्थ व्यक्ति ही स्वेच्छा से रक्तदान कर किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। शिविर संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि यह शिविर हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के बैनर तले आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा, 'युवाओं को नशे की सुई से दूर रहना चाहिए और रक्तदान की सुई लगवाकर किसी जरूरतमंद को जीवनदान देना चाहिए।' उन्होंने एक नारा दिया- नशे की सुई को न- रक्तदान की सुई को- हाँ, ताकि स्वस्थ रहें आप- कट जाएँ संताप। बता दें डॉ. अशोक कुमार वर्मा पुलिस विभाग के सर्वोच्च रक्तदाता हैं और हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी के रूप में नियुक्त हैं। वे 183 बार रक्तदान, 89 बार प्लेटलेट्स और 1 बार प्लाज्मा दान कर चुके हैं। वे 596 स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से 21245 रक्त इकाई राजकीय रक्त कोषों को उपलब्ध करा चुके हैं जिसका लाभ रक्त के अभाव से पीड़ित 63735 लोगों को मिला है। इसके अतिरिक्त रक्त की मांग पर भारत के विभिन्न शहरों में रक्त उपलब्ध कराने में लगे हुए हैं। इस अवसर पर अनेक बार रक्तदान कर चुके परमाल सिंह, दिनेश शर्मा, रजनीबाला, अनिल कुमार, आरती सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिव्यांग दंपति और बुजुर्ग ससुर से मारपीट का आरोप, जान से मारने की धमकी रिपोर्ट दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मुमरेजपुर निवासी जय भगवान सिंह ने थाना पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि 16 जुलाई की शाम गांव रोरा (थाना अनूपशहर) निवासी सोना, उसकी बेटियां काजल, हिना, सविता तथा दो अन्य युवक जबरन उनके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी ने उनके बुजुर्ग पिता के साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर उनकी दिव्यांग पत्नी प्रतिभा देवी के साथ मारपीट कर धक्का दे दिया। पीड़ित के अनुसार, मारपीट के दौरान उनकी पत्नी के कान से सोने का कुंडल भी गिर गया, जो काफी तलाश के बाद भी नहीं मिला। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उनके पिता पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे उन्हें पैर में चोट आई। जाते समय सभी ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर में जय भगवान सिंह ने बताया कि वह और उनकी पत्नी दोनों दिव्यांग हैं तथा घटना के बाद पूरा परिवार भयभीत है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उधर इस संबंध में अहमदगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वीडी गंगवार ने बताया है कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस द्वारा जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

नीरज की स्मृति में सजी काव्य संध्या, देशभर के कवियों ने बांधा समां

राष्ट्रीय कवि सुरेंद्र शर्मा ने दिया प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश, कवियों की रचनाओं पर देर तक गूंजती रही तालियां

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति, दिल्ली एवं महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देशभर से आए प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी ओज, गीत, गजल, व्यंग्य एवं श्रृंगार रस की रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, डासना काली देवी मंदिर के पीठाधीश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज, पद्मश्री राष्ट्रीय कवि सुरेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय कवि सर्वेश अस्थाना, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, डासना नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी महेश श्रीवास्तव, मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के अध्यक्ष रवींद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष अशोक कौशिक, दैनिक अथाह के संपादक अशोक ओझा एवं गौरव शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव ने की। उन्होंने सभी आमंत्रित कवियों को मंच पर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सीता 'सागर' ने माँ वीणा वादिनी की वंदना से किया।

इसके बाद पद्मश्री गोपालदास नीरज के सुपुत्र शशांक नीरज ने अपनी गजल सुनाई–

सयाने फूल हैं खुश्बू की जान हो गए हैं,
महक बताती हैं अब जाफरान हो गए हैं।
ज़िक्र होने लगा है तक्सीम का मेरे घर में,
मुझको लगता है कि बच्चे जवान हो गए हैं।

कर्नल संजय चतुर्वेदी (बहराइच) ने राष्ट्रभाव से ओतप्रोत पंक्तियाँ सुनाईं–

बड़े मुल्क को जब अपने हथियार पुराने लगते हैं,
छोटे मुल्कों पर क्यों जंग के बादल छाने लगते हैं।
जो दरिया सरहद की प्यास बुझाने की हिम्मत कर ले,
व्यापारी उस दरिया में बारूद बिछाने लगते हैं।

डॉ. श्लेष गौतम (प्रयागराज) ने कहा–

पुरुखों ने जो निभाई, हमें चाहिए,
त्याग की वो कमाई, हमें चाहिए।
राम घर-घर में हों, प्रार्थना है,
मगर एक भरत जैसा भाई हमें चाहिए।

डॉ. कविता 'किरण' (फालना, राजस्थान) ने महाकवि नीरज को श्रद्धांजलि देते हुए पढ़ा–

गीत दिवाकर ढला नहीं,
कभी हिमालय गला नहीं।
देह मिली केवल रज में,
'नीरज' रज में मिला नहीं।

पवन कुमार (आईएएस), दिल्ली ने अपनी गजल में कहा–

किसी ने रखा है बाजार में सजा के मुझे,
कोई खरीद ले कीमत मेरी चुका के मुझे।
उसी की याद के बर्तन बनाए जाता हूँ,
वही जो छोड़ गया चाक पे घुमा के मुझे।

डॉ. सीता 'सागर' (गाजियाबाद) ने अपनी भावपूर्ण रचना सुनाई–

घर में मेरे वो दीप जलाकर चला गया,
मुझमें वो एक लौ सी जगाकर चला गया।
बरसाके नूर वो मेरे पूरे वुजूद पर,
दीपावली सा मुझको मनाकर चला गया।

सर्वेश अस्थाना ने राजनीतिक व्यंग्य से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया–

किसी गिरगिट की नेता से तुलना करना महापाप है,
क्योंकि रंग बदलने के मामले में नेता गिरगिट का बाप है।

महेश श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी, डासना नगर पंचायत एवं कवि ने प्रेम का संदेश देते हुए कहा–

दिल धक-धक करता है तुझको करके याद,
तेरे होने से ही तो हम हैं आबाद।
सांसों में तू ही तू जब तक हैं साँसें,
यारा जिंदाबाद, मुहब्बत जिंदाबाद।

राष्ट्रीय कवि डॉ. विष्णु सक्सैना ने अपनी भाव विभोर पंक्तियों में कहा कि-

जो हाथ थाम लो वो फिर न छूटने पाये,
प्यार की दौलतें कोई न लूटने पाये,
जब भी छूलो बुलंदियां तो ध्यान ये रखना
जमीं से पाँव का रिश्ता न टूटने पाये।

कवि सम्मेलन की अध्यक्षीय टिप्पणी में पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि इस देश में मंदिर बनाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इस देश को मंदिर बनाने की आवश्यकता है। हमें किसी भी देश को खत्म नहीं करना है, बल्कि सभी देशों के साथ शांति और प्रेम से रहना है। जो देश लड़वाते हैं उनसे दूरी बनाकर भाईचारे और सद्भाव के साथ गरीबी मिटाने का प्रयास करना चाहिए।

समारोह में मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति एवं महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से जीडीए सचिव विवेक मिश्र, युग करवट के संपादक सलामत मियां, राष्ट्रीय पुरूस्कृत शिक्षक नरेन्द्र शर्मा, दैनिक अथाह के संपादक अशोक ओझा, वरिष्ठ पत्रकार सुनील यादव, वरिष्ठ पत्रकार सोनू अरोड़ा, तेजस न्यूज के संपादक तेजेश चौहान, अजय शर्मा, अमरदीप शास्त्री, विपिन सिंघल, उद्घोषक एवं कवि सुरेंद्र शर्मा भाजपा नेता पवन गोयल, बी.के. शर्मा हनुमान, वी.के.अग्रवाल, अमित यादव (ए.एम. इंटरप्राइजेज), प्रमोद यादव, कमल चौधरी, विनय चौधरी, साहिल डबास, शशिकांत भारद्वाज, जमील अहमद आदि पत्रकारों, समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमियों को सम्मानित किया गया।

मोरटा में राष्ट्रीय लोकदल संसदीय बोर्ड के चेयरमैन के.सी.त्यागी किया गया भव्य स्वागत

बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकताओं ने ग्रहण की रालोद की सदस्यता

अनिल वशिष्ठ

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद तथा राष्ट्रीय लोकदल संसदीय बोर्ड के चेयरमैन के.सी. त्यागी के प्रथम मोरटा आगमन पर समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जनसैलाब उमड़ पड़ा और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं तथा राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर के.सी. त्यागी का ढोल-नगाड़ों, पुष्पमालाओं, पुष्पवर्षा, आतिशबाजी एवं जोरदार नारों के साथ ऐतिहासिक स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिदत्त त्यागी ने की तथा संचालन चौधरी अरुण कुमार भुल्लन ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने के.सी. त्यागी जी के लंबे सार्वजनिक जीवन, संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, राजनीतिक अनुभव तथा किसान, मजदूर, युवा एवं सर्वसमाज के हित में उनके योगदान की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए उन्हें संसदीय बोर्ड का चेयरमैन बनाए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व तथा के.सी. त्यागी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोकदल संगठन नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा प्रदेश में संगठन और अधिक सशक्त होगा। समारोह के दौरान अनेक प्रतिष्ठित सामाजिक

कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष चौधरी रामपाल चौधरी नें राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण कराई। सभी नवसदस्यों का माल्यार्पण कर पार्टी परिवार में स्वागत किया गया तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष चौधरी रामपाल चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ एवं चेयरमैन श्री अमरजीत सिंह बिड्डी, अजयपाल प्रमुख, अजयवीर एडवोकेट, चौधरी अरुण कुमार भुल्लन, योगेंद्र पतला, अंकुर त्यागी जिला अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ, योगेश फफराना, विनोद गौतम (जिला उपाध्यक्ष), नरेंद्र जाटव (जिलाध्यक्ष, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ), सुमन चौधरी (जिलाध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ), संजीव चौधरी (जिलाध्यक्ष, खेल प्रकोष्ठ), अंकुर त्यागी (जिलाध्यक्ष, छात्र सभा), आलोक चौधरी (जिलाध्यक्ष, सैनिक प्रकोष्ठ), कृष्ण चैंपियन, जयवीर नेहरा, विनोद चौधरी, सतीश राठी, मनोज त्यागी (नगर अध्यक्ष), आलोक चौधरी (विधानसभा अध्यक्ष), जुनैद चौधरी (नगर अध्यक्ष), सतपाल सलेमाबाद, नीरज सहरावत, श्री आलोक, चौधरी अरुण शर्मा, विनय फफराना, सुशील कुमार, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अंकुर त्यागी, समस्त ग्रामवासियों, आयोजन समिति, सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा उपस्थित जनसमूह का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

कश्यप समाज के सम्मान समारोह में उमड़े समाज के लोग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सोन्दा रोड स्थित संजय नगर में रविवार को कश्यप-निषाद संगठन के तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने समाज के लोगों को सम्मानित किया और अपने संबोधन में कहा कि समाज की एकता, शिक्षा और युवाओं की भागीदारी से ही विकास की नई दिशा तय होगी। उन्होंने युवाओं से शिक्षा और सामाजिक कार्यों में आगे बढ़कर योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आयोजकों द्वारा अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

कावड़ यात्रा को से सकुशल संपन्न कराने के लिए बुलाई गई बैठक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कावड़ यात्रा को से सकुशल संपन्न करने के लिए कोतवाली मोदीनगर एवं निवाड़ी थाने में गणमान्य लोगों के अलावा शिविर संचालको की एक बैठक बुलाई गई। जिसमें सुझाव लिए गए तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। लोगों ने कांवड यात्रा को से कुशल संपन्न करने के लिए पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने की बात कही । एसीपी भास्कर वर्मा, मोदीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद प्रकाश मिश्रा ने बैठक में शामिल लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कावड़ यात्रा में सहयोग करने की अपील की।

थाना निवाड़ी पर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने क्षेत्र के सम्मानित लोगों की एक बैठक मीटिंग बुलाई गई। उसमें थाना अध्यक्ष ने कहा नहर कावड़ मार्ग पर कितने शिविर लगते हैं, उसमें क्या-क्या परेशानी आती है। शिविर में जो वॉलिंटियर रहेंगे उनकी लिस्ट थाने में दे दी जाए और उन पर हर एक वालंटियर पर कार्ड जरूर होना चाहिए चोरों से सतर्क रहना है शिविर में कांवड़ियों के मोबाइल में पैसे भी चोरी होने की घटना होती रहती है।इस पर भी अंकुश लगाना है। मीटिंग में किसान नेता सतेंद्र त्यागी, नरेंद्र त्यागी, अमित कुमार पैगा,शैंकी त्यागी खिदोड़ा,सुनील कुमार,अंकित त्यागी, मदनलाल फौजी,युवा नेता देवांश त्यागी, जितेंद्र गोस्वामी, कृष्ण पंडित जी पतला,मनीष त्यागी, सभासद नीतू जाटव आदि क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया।

सर्वधर्म सभा द्वारा दो निर्धन कन्याओं का विवाह संस्कार सम्पन्न कराया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जानी मानी सामाजिक संस्था 'सर्वधर्म सभा' द्वारा रविवार, 19 जुलाई, 2026 को छत्रि वाले शिव मंदिर में दो निर्धन कन्याओं का विवाह संस्कार सम्पन्न कराया गया। सामाजिक संस्था 'सर्वधर्म सभा' की स्थापना मोदीनगर के प्रमुख उद्योगपति और समाजसेवी 'मोदीनगर रत्न' स्व. सतीश कुमार गुप्ता ने 1999 में की थी। तब से ही यह संस्था समाज-कल्याण के विभिन्न कार्यों में जुटी है। 'सर्वधर्म सभा' के संरक्षक संदीप गुप्ता और वरिष्ठ कार्यकर्ता - डॉ. आशाराम गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया की आवेदन प्राप्त होने के उपरान्त कन्या के परिवार की जाँच परख की जाती है। पूर्ण संतुष्टि होने के पश्चात ही संस्था विवाह संस्कार कराने का आवेदन स्वीकार करती है। यह संस्था द्वारा कराया गया 92वाँ एवम् 93वाँ विवाह संस्कार है। सैद्धांतिक रूप से यह विवाह संस्कार बिना किसी दान-दहेज के सम्पन्न कराया जाता है, मगर फिर भी संस्था द्वारा घरेलु उपयोग का कुछ जरूरी सामान उपहार स्वरुप विदाई के समय दिया जाता है। नवयुगल दम्पति को आशीर्वाद देने वालों में भूतपूर्व राज्य मंत्री राम किशोर अग्रवाल जी, विधायक श्रीमती मंजू शिवाच , मंजीत चौधरी, संतोष अरोड़ा, गोल्डन लायनेस क्लब, जगरानी गौतम, प्रमोद कुमार गुप्ता, बसंत शर्मा, नरेश अग्रवाल, सुरेन्द्र गुप्ता, विजय, बालक राम कश्यप, महेन्द्र शर्मा, सहस्त्र पाल सिंह, अरविन्द शर्मा, वेद प्रकाश गुप्ता, दिनेश चंद्र शर्मा, योगेन्द्र अग्रवाल, सत्यनारायण शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, अश्विनी, उमेश, दीपक, मोंटू, अमित, अभिनव पराशर सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

हिंडन बनी मुसीबत: बढ़ते जलस्तर से नदी किनारे के इलाके जलमग्न

लोगों ने प्रशासन से लगाई राहत की गुहार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। हिंडन नदी का बढ़ता जलस्तर एक बार फिर नदी किनारे बसे इलाकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। लगातार बढ़ रहे पानी के कारण कई निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित होने लगा है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के सिटी फॉरेस्ट में भी पानी भर गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हिंडन नदी की लंबे समय से समुचित सफाई नहीं होने के कारण नदी में जलकुंभी, कचरा और अन्य अवरोध बड़ी मात्रा में जमा हैं। इससे पानी के बहाव में बाधा उत्पन्न हो रही है और जलस्तर बढ़ने पर पानी आसपास के इलाकों में फैल रहा है। लोगों ने वर्ष 2022 में आई बाढ़ जैसी स्थिति का हवाला देते हुए आशंका जताई है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से प्रभावित इलाकों में राहत कार्य तेज करने, हिंडन नदी की नियमित सफाई कराने तथा जलनिकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल जलभराव से कई परिवारों को आवागमन और दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

गाजियाबाद में भाजपा युवा मोर्चा शक्ति प्रदर्शन, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा का भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के प्रथम गाजियाबाद आगमन पर युवा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा के नेतृत्व में शहर के विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया।

शहर में बनाए गए 12 स्वागत स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों में युवाओं का उत्साह देखने को मिला। पूरे स्वागत मार्ग पर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिससे संगठन की सक्रियता और एकजुटता का प्रदर्शन हुआ।

स्वागत कार्यक्रम के बाद मोहन नगर स्थित आईटीएस कॉलेज में युवा मोर्चा की कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बताते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और युवाओं के समर्पण व मेहनत के दम पर पार्टी आगामी चुनाव में ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगी।

बैठक में कार्यकताओं ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आगामी चुनावों में पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखविंदर सोम, प्रदेश मंत्री अमल खटीक, प्रदेश मंत्री अंजलि चौहान, नरेंद्र भाटी, अरुण यादव, महानगर महामंत्री पंकज भारद्वाज, गौरव चोपड़ा, अनुज कश्यप, काजल त्यागी, मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा सहित युवा मोर्चा के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में सरेआम संग्राम: लीलावती चौक पर दो पक्षों में खूनी झड़प

लाठी-डंडों और ईंटों से हमला, वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र के प्रताप विहार स्थित लीलावती चौक पर दो पक्षों के बीच हुआ मामूली विवाद कुछ ही देर में हिंसक संघर्ष में बदल गया। बीच सड़क पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में कई लोग सड़क पर एक-दूसरे से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। मारपीट के दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों व स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। लोगों ने किसी तरह खुद को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। दिनदहाड़े सार्वजनिक स्थान पर हुई इस घटना ने कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीच सड़क पर इस तरह की हिंसा से क्षेत्र में भय का माहौल बन गया है।

दिल्ली के आली गांव में भाकियू (भानू) की ताकत का प्रदर्शन, सैकड़ों लोगों ने थामा संगठन का दामन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजधानी दिल्ली के आली गांव में भारतीय किसान यूनियन (भानू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानूप्रताप सिंह एवं वरिष्ठ प्रमुख उपाध्यक्ष चौ. अजब सिंह कसाना के सानिध्य में संगठन विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों लोगों ने भारतीय किसान यूनियन (भानू) की सदस्यता ग्रहण कर किसानों के हितों की लड़ाई में संगठन के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय नेतृत्व ने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने, किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संगठन की भावी रणनीति पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर पंकज चौधरी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गौतमबुद्ध नगर से जिला अध्यक्ष राजकुमार नागर के नेतृत्व में पूरी टीम ने कार्यक्रम में भाग लेकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का समापन किसानों की एकजुटता और संगठन विस्तार के संकल्प के साथ हुआ।

बिजली संकट से भड़का जनाक्रोश: सड़क जाम कर विधायक को मौके पर बुलाने की मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की रामपार्क कॉलोनी में लगातार हो रही बिजली कटौती से नाराज लोगों का गुस्सा रविवार को सड़क पर फूट पड़ा। आक्रोशित स्थानीय निवासियों ने गढ़ी कटैयाझखानपुर मार्ग को चारों ओर से जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित हो गया। सूचना पर ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस मौके पर

पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। इस दौरान लोगों ने क्षेत्रीय विधायक नंदकिशोर गुर्जर को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग उठाई। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि लगातार बिजली कटौती के कारण भीषण गर्मी में उनका जीना मुश्किल हो गया है। बिजली नहीं मिलने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है, जिससे कॉलोनी के लोगों को दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उनका आंदोलन जारी रहेगा।

स्वच्छ गाज़ियाबाद की ओर एक और कदम: सर्वोदय नगर में नागरिकों को स्वच्छता का दिया गया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन (रइट) टीम ने विजय नगर जोन के वार्ड संख्या-14 स्थित सर्वोदय नगर में नागरिक समूह बैठक आयोजित कर स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया। बैठक में स्थानीय लोगों को गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, नियमित सफाई तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

नगर निगम अधिकारियों ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि जनसहयोग से ही स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर गाज़ियाबाद का लक्ष्य साकार किया जा सकता है। बैठक में लोगों ने भी स्वच्छता बनाए रखने और नगर निगम के अभियान में सहयोग का संकल्प लिया।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट, समितियों व शिविर संचालकों के साथ बनाई सुरक्षा की रूपरेखा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में थाना नंदग्राम एवं थाना लोनी में एसीपी और प्रभारी निरीक्षकों की अध्यक्षता में कांवड़ समिति के पदाधिकारियों तथा कांवड़ शिविर आयोजकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, श्रद्धालुओं की सुविधाएं, शिविरों की व्यवस्थाएं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। पुलिस का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि यात्रा बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।